श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 339

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, सोमवार 26 सितंबर 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

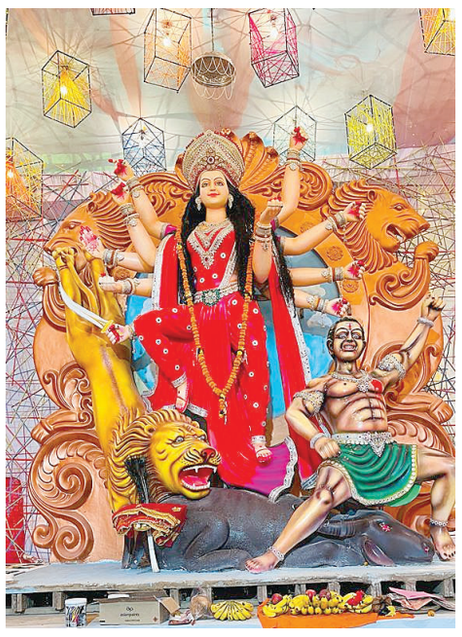

आओ मां स्वागत है... शेर पर सवार होकर आई मां जगदम्बा, नौ दिनों तक शक्ति की आराधना

■ घर की देहरी से लेकर शहर में सजे पंडाल, भजन-पूजन के साथ रात को रहेगी गरबे की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जगत जननी मां जगदम्बा के स्वागत में घर की देहरी से लेकर मोहल्ले के पंडाल तक सज गए। क्वांर नवरात्रि के पहले दिन सोमवार को सुबह से ही ज्योति कलश प्रज्जवलन, घट स्थापना और प्रतिमा की स्थापना का दौर शुरू हो गया जो रात तक चलता रहेगा। माता की प्रतिमा को लाने का सिलसिला सोमवार को भी चलता रहा। इधर दुर्ग के सत्ती चौरा मंदिर में घट स्थापना से पहले विशाल कलशयात्रा निकाली गई। मां शक्ति की आराधाना में पूरा शहर 9 दिनों तक उत्सव में डूबा रहेगा और आज रात से ही गरबा का दौर भी शुरू हो जाएगा। नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों में सुबह से ही दर्शनों के लिए देवीभक्तों की कतार लगी रही।

जगमगाए आस्था के दीप

शहर के सभी बड़े देवी मंदिरों में ज्योति कलश के रूप में आस्था के दीप जगमगा उठे। सेक्टर 6 स्थित मां जगदम्बा मंदिर, सेक्टर 4 स्थित मां वैष्णोदेवी मंदिर, राजराजेश्वरी मंदिर पावर हाउस, सर्वेश्वर धाम सेक्टर 4, दुर्ग के चंडी मंदिर, श्री सत्ती चौरा मंदिर, सभी शीतला मंदिरों में भी ज्योति कलश प्रज्जवलित किए गए।

ढोल-नगाड़ों संग स्वागत

.माता की प्रतिमा लाने का दौर दो दिन पहले से ही शुरू हो चुका था। मूर्तिकार के घर सोमवार को भी मेले सा माहौल रहा। समिति के लोग बाजे-गाजे के संग माता का स्वागत करने पहुंचे। शहर के सेक्टर 1, सेक्टर 2 सेक्टर 10, सेक्टर 5, सेक्टर 7, नेहरू नगर,, पावर हाउस सहित सभी वार्डो में सैकड़ों प्रतिमा स्थापित की जा रही है। दो वर्ष बाद कोविड के खत्म होने के बाद इस बार फ्रि एक बार शहर भर में नवरात्रि को लेकर अलग ही उत्साह है।

खास खबर

सियासी दंगलः 92 विधायकों के इस्तीफे से मचा हड़कंप, पायलट गुट पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर गहलोत के नामांकन भरने की घोषणा के बाद से राजस्थान में सियासी दंगल शुरू हो गया है। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले ही उनके समर्थकों ने कांग्रेस हाईकमान को चुनौती दे डाली। रात बारह बजे गहलोत समर्थक विधायक तीन शर्तें लगा कर घर चले गए। पहली यह कि जिन विधायकों ने सरकार बचाई थी, सीएम का चयन उन्हीं में से हो। दूसरी, गहलोत की पसंद का आदमी सीएम बने। तीसरी, जब गहलोत अध्यक्ष बन जाएंगे, तब ही विधायक अपनी बात कहेंगे और वह भी सोनिया गांधी के सामने। गहलोत समर्थक विधायकों की मांग थी कि पायलट गुट ने सरकार को गिराने की कोशिश की, उनकी बात नहीं सुनी जानी चाहिए। बतां दें कि सचिन पायलट खुद को राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे थे। जिसके बाद गहलोत समर्थकों ने यह कदम उठा लिया है। इससे पहले विधायक दल की बैठक में जाने के बजाय कांग्रेस के 92 विधायक नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के घर पहुंचे। वहां इस्तीफे लिख स्पीकर सीपी जोशी को सौंप दिए।

दुर्ग-भिलाई से रायपुर एयरपोर्ट जाना हुआ आसान, रोज चलेंगी एयरकंडिशन सिटी बसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-भिलाई के लोगों के लिए अब रायपुर एयरपोर्ट पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। कोरोना के कारण बीते ढ़ाई सालों से बंद सिटी बस सेवा राजधानी रायपुर में सोमवार से शुरू कर दी गई। रायपुर में सिटी बस सेवा शुरू होने से एयरपोर्ट से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक भी 6 बसों की सुविधा शुरू की गई। जो रोज दुर्ग रेलवे स्टेशन से रायपुर एयरपोर्ट और एयरपोर्ट से दुर्ग रेलवे स्टेशन के लिए चलेंगी। रायपुर सिटी सरकार ने इसका रूट मैप भी तय कर दिया है। इसके अलावा रायपुर शहर में भी सिटी बसों का रूट तय कर दिया गया है।

बता दें 2020 में कोरोना संक्रमण हावी होने के बाद प्रदेश भर में सिटी बस सेवा बंद कर दी गई थी। इसके बाद से सेवा अब तक शुरू नहीं की जा सकी। कोरोना संक्रमण थमने के बाद अब हालात सामान्य हो गए हैं तो ऐसे में रायपुर शरह सरकार ने सिटी बसों का संचालन फ्रि से शुरू कर दिया है। इसका एक फायदा यह हुआ है कि रायपुर एयरपोर्ट से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी मिल गई है। अब रोज

रायपुर एयरपोर्ट से दुर्ग के लिए 6 बसों का रूट तय किया गया है।

ऐसी होगी एयरपोर्ट से दुर्ग तक का रूट

रायपुर एयरपोर्ट से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक कुल 6 बसें चलाई जाएंगी। बस क्रमांक 180, 181, 182, 183, 184 व 185 रायपुर एयरपोर्ट से दुर्ग तक चलाई जाएंगी। एयरपोर्ट से निकलकर तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका, भाटागांव, टाटीबंध, कुम्हारी, चरादा, भिलाई 3, पावर हाउस, सुपेला, नेहरू नगर, वायशेप फ्लाईओवर, रायपुर नाका, मालवीय नगर चौक से दुर्ग बस स्टैंड व वहां से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक यह बसें दौड़ेंगी।

पहले दिन महिलाओं को फ्री, महापौर एजाज ढ़ेबर ने की सवारी

सिटी बस सेवा शुरू करने के बाद पहले दिन नवरात्रि के मौके पर महिलाओं के लिए फ्री

दुर्ग-भिलाई में चलेंगी 70 सिटी बसें

रायपुर के बाद अब लोगों को दुर्ग-भिलाई में सिटी बसों के शुरू होने का इंतजार है। चार माह पहले दुर्ग में परिवहन मंत्री ने दुर्ग में बैठक लेकर सिटी बसों के संचालन को मंजूरी दे दी थी। दुर्ग भिलाई के अलग अलग रूट पर 70 सिटी बसों को चलाने का निर्णय लिया है। हालांकि अभी तक दुर्ग भिलाई में सिटी बसों के संचालन की तिथि घोषित नहीं की गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही दुर्ग भिलाई में भी सिटी बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

कर दिया गया है। रायपुर में सिटीबसों में सोमवार को महिलाओं ने फ्री में सफर किया। सिटी बस सेवा शुरू होने के बाद रायपुर महापौर एजाज ढेबर ने सिटी बस की सवारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिटी बस सेवा फ्रि से बहाल होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। शहर में लोगों को आसपास के सफर के लिए दिक्कते नहीं होंगी और कम खर्च पर सफर कर सकेंगे।

रायपुर में चलने वाली बसों के रूट और नंबर

- रेलवे स्टेशन से कौशल्या माता मंदिर : 3528, 3530, 3531, 3539

रूट : मेकाहारा, तेलीबांधा, मैग्नेटो मॉल, जोरासी खेड़ी मंदिर हसौद, कुरूद, बहनाकाड़ी, चंदखुरी-

- रायपुर रेलवे स्टेशन से भान्सोज : 3508, 3509

रूट : मेकाहारा, तेलीबांधा, मैग्नेटो मॉल, जोरा, सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, RITEE कॉलेज, नवागांव, गोढ़ी

- राज टॉकीज से खेरखूंट : 3549, 3554, 3557

रूट : फाफाडीह, भनपुरी चौक, रावणभाटा, धनेली सिलतरा, चरोदा, धरसीवा, पंढरभट्ठा.

- रेलवे स्टेशन से खरोरा- 3511, 3512, 3513, 3514, 3556, 0320, 0329

रुट : फाफाडीह, पंडरी, सड्डू, विधानसभा, सारागांव, एमिटी

- रेलवे स्टेशन से सिलयारी- 3518, 3520
- रेलवे स्टेशन से भाटा गांव : 3550, 3548
- रेलवे स्टेशन से उरला : 3525, 3526, 3533

भूपेश ही होंगे सीएम फेसः टीएस सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव रविवार को भिलाई दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रेसवार्ता में भारत जोड़ों यात्रा पर अपनी बात रखी। इस मौके पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बड़ा धमाका किया है। अगले विधानसभा चुनाव में सीएम फेस को लेकर उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि प्रदेश का जो मुख्यमंत्री होता है वही सीएम फेस होता है। वर्तमान में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री हैं तो वे ही सीएम का चेहरा भी होंगे।

छत्तीसगढ़ में चुनाव के पूर्व कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर पूछे गए सवाल पर स्वास्थ मंत्री ने कहा कि कांग्रेस एक संकल्प लेकर चली थी। सरकार बनने के बाद सरकार ने कई घोषणाएं पूरी की हैं। किसानों की ऋण माफी, धान का समर्थन मूल्य, बिजली बिल हाफ सहित कई घोषणाएं पूरी की है। वहीं कुछ ऐसी भी मांगे हैं जो पूरी नहीं हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि सभी घोषणाओं को पूरा करें और इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। कुछ टक्निकल इशू के कारण कुछ दिक्कतें हैं।

भारत जोड़ो यात्रा पर बोले

प्रेसवार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने भारत जोड़ो यात्रा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि देश के लोगों से सीधे मिलने के लिए राहुल गांधी ने यह यात्रा शुरू की है। अब तक इस यात्रा से लाखों लोग जुड़ चुके हैं। देश में आज महंगाई चरम पर है सिलेंडर के दाम 1100 रुपए से अधिक हो गए। पेट्रोल डीजल के दाम 100 के पार चले गए। इसके बाद भी लोगों को कोई समस्या नहीं है तो यह कहना गलत है। भाजपा इस प्रकार का भ्रम फैला रही है। राहुल गांधी के भारत जोड़ों यात्रा के दौरान जो कांरवा बन रहा है वह इसका प्रमाण है कि देश की जनता महंगाई से त्रस्त है।

शक्ति रूपेश संस्थिताः थनौद की बेटियों के बिना अधूरा है मां की प्रतिमा का श्रृंगार

पिता का हाथ बंटाने सीखा प्रतिमा बनाना, गांव में बन गई दूसरी बेटियों के लिए आदर्श

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मूर्तिकारों का गांव थनौद.. जहां घर घर मां जगदम्बा की प्रतिमा बनती है, लेकिन यह प्रतिमा तब तक अधूरी है जब तक मूर्तिकारों की बहन- बेटी और पत्नी मां का श्रृंगार न कर ले। गांव के मूर्तिकार राधेश्याम चक्राधारी के यहां तो चारो बेटियां अपने पिता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मूर्ति बनाने का काम करने लगी है। बचपन में अपने पिता को अक्सर अकेले मूर्तियां बनाते देखती थी, थोड़ी संभली तो वे भी पिता के पीछे-पीछे मिट्टी से अपने हाथ सानने लगी। पिता को भी लगा कि शायद देवी मां ने ही यह शक्ति स्वरूपा बेटियां उनके घर इसलिए दी हैं कि वे साधारण सी मिट्टी को शक्तिस्वरूपा बनाकर घर से विदा कर सकें। थनौद की हर वर्कशॉप में बेटियां सुबह से शाम तक मां जगदम्बा की प्रतिमा को सजाने में जुट गई है। अक्सर मां अपनी बेटियों का श्रृंगार करती है,लेकिन यह सभी बेटियां मां जगदम्बा का श्रृंगार कर उन्हें घर से विदा करती है।

पिता ने बढ़ाया हौसला

मूर्तिकार राधेश्याम चक्रधारी की पत्नी हीरा बाई पिछले 30 साल से पति के साथ मूर्ति बनाने का काम कर रही हैं। शादी के पहले उसने कभी हाथ में मिट्टी तक नहीं पकड़ी थी, लेकिन आज वह माता का चेहरा तक बनाने का काम कर लेती हैं। इतना ही नहीं राधे की बेटियां शिल्पा, वर्षा, पूनम, शालिनी भी अब मूर्तियों में प्रामण फूंकने लगी है। राधेश्याम की मानें तो जब से बेटियों ने जन्म लिया वे तरक्की की राह पर आगे ही बढ़ रहे हैं।

पिता का हाथ बंटाने आई मायके

राधेश्याम की बड़ी बेटी शिल्पा की शादी दो साल पहले हो चुकी है, लेकिन नवरात्रि में पिता का हाथ बंटाने और माता की मूर्ति तैयार करने वह इन दिनों मायके आई हुई है। उनकी तीन बेटी पूनम,,वर्षा और शालिनी ने बताया कि पिताजी के साथ उनको काम करता देख आसपास के अन्य वर्कशॉप में अब मूर्तिकार की बेटियां हाथ बंटाने लगी है।

देखते रह जाते हैं लोग

शिल्पा बताती हैं कि नवरात्रि के करीब चार दिन पहले वे माता के श्रृंगार और उन्हें परिधान पहनाने का काम शुरू कर देती है। कई लोग सिर्फ यह देखने आते हैं कि बेटियां मिलकर माता को कैसे तैयार करती हैं। उसने बताया कि समिति के लोग मूर्ति ले जाने से पहले उनका सम्मान करना और उन्हें भेंट देना नहीं भूलते। क्योंक उन्हें यह सम्मान की बात लगती है कि माता की प्रतिमा को हम नारी शक्ति ने मिलकर तैयार किया है।

उम्मीद कायम है...

ढाई-ढाई साल के फार्मुले पर आला कमान ने भूपेश बघेल को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया और केबिनेट मंत्री बने टीएस सिंहदेव ढाई साल बीतने का इंतजार करने लगे। ढाई साल बाद क्या हुआ यह किसी से छुपा नहीं है,लेकिन सरगुजा के राजा और मंत्री टीएस सिंहदेव को अब भी न्याय की उम्मीद है। सौम्य और सुलझे हुए मंत्री सिंहदेव ने भिलाई में कल यह तो जरूर कहा कि 2023 के चुनाव में सीएम का चेहरा सामने होगा और कांग्रेस उसी चेहरे के साथ चुनाव लड़ेगी, पर वह इशारों-इशारों में यह भी कहने से नहीं चुके कि पिछले चुनाव में कोई चेहरा नहीं था और केवल पार्टी आगे थी, शायद यही वजह थी कि जनता ने कांग्रेस को मौका दिया।

मंत्री सिंहदेव के इस बयान के बाद फ्रि एक बार कांग्रेसी सोच में पड़ गए हैं कि एक साल बाद जब चुनाव होगा तो सीएम का चेहरा कका होंगे या बाबाज्वही इस बात के पीछे मंत्री टीएस सिंहदेव की पीड़ा भी साफनजर आती हैं। चार साल बीतने के बाद भी ढाई साल वाले फार्मुले के वादे को पूरा न होने की कसक लिए उनके मन में न्याय की उम्मीद कायम है। शायद राजा साहब को उम्मीद है कि अगले चुनाव में हाईकमान सीएम का चेहरा सामने लाती है तो उन्हें मौका जरूर मिलेगा क्योंकि पिछले चुनाव में सीएम बनने की दावेदारी को खत्म कर उन्होंने भूपेश बघेल का साथ दिया था और उनके इस बलिदान को शायद पार्टी याद रखे और उन्हें न्याय के रूप में प्रदेश में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनने पर सीएम की कुर्सी मिल जाए.. खैर जो भी हो पर राजा साहब के मन में पल रही न्याय की उम्मीद कायम रहेगी तो आने वाला विधानसभा चुनाव रोचक जरूर हो जाएगा..

बड़ा हादसा, मुंडन कराने जा रहे लोग ट्राली सहित तालाब में डूबे, 10 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इटौंजा के असनहा गद्दीपुरवा में तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मार दी। हादसे में मुंडन कराने जा रहे लोगों सहित ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलट गई। हादसे में सभी डूब गये। जिलाधिकारी लखनऊ ने अब तक 10 मौतों की पुष्टि की है। पुलिस ने गोताखोरों व स्थानीय लोगों की मदद से 35 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। कई शव बाहर निकाले गए हैं। रेस्क्यू कार्य जारी है।

सीतापुर के अटरिया स्थित तिकौली गांव के चुन्नीलाल उर्फ चुन्नन के बेटे का मुंडन संस्कार था। नवरात्रि के पहले दिन इटौंजा के ऊनई देवी मंदिर में मुंडन होना था। इसके लिए पूरा परिवार रिश्तेदारों व परिचितों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर मंदिर जा रहा था। सुबह करीब 10 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली असनहा के गद्दीपुरवा गांव के पास पहुंची थी। इसी बीच बेहटा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सीधे सड़क किनारे बड़े तालाब में जा गिरी।

संपादकीय

हमारे पास बृहस्पति

ब्रह्मांड में सभी ग्रह सक्रिय हैं, गतिमान हैं, अत: कभी पृथ्वी से बहुत दूर चले जाते हैं, तो कभी करीब आ जाते हैं। आज सोमवार को अद्भुत खगोलीय घटना होगी, बृहस्पति ग्रह पृथ्वी के सबसे नजदीक आ जाएगा। सौरमंडल का यह सबसे बड़ा ग्रह 59 साल पहले पृथ्वी के इतने करीब आया था। जिन लोगों ने इसे 59 वर्ष पहले देखा होगा, उन्हें शायद ही याद हो, पर अब जो चाहे, दूरबीन से इस खगोलीय नजारे को देख सकेगा। पृथ्वी के एक ओर सूर्य होगा, तो दूसरी ओर बृहस्पति। वैसे, यह स्थिति हर 13 महीने पर बनती है, लेकिन खास यह है कि पृथ्वी से बृहस्पति की नजदीकी इस बार ज्यादा रहेगी। इसका असर यह होगा कि वह और दिनों के अपेक्षा ज्यादा चमकीला और बड़ा दिखाई देगा। दरअसल, सूर्य की परिक्रमा करते पृथ्वी और बृहस्पति एक तय वृत्त में नहीं घूमते हैं। उनका वृत्त बदलता रहता है और उसके साथ-साथ दोनों की परस्पर दूरी भी घटती-बढ़ती रहती है। दिलचस्प है कि बृहस्पति कभी पृथ्वी से 6,000 लाख मील दूर चला जाता है और कभी पास आते-आते करीब 3,670 लाख मील दूर ही रह जाता है। पिछली बार 1963 में दोनों ग्रह एक-दूसरे के इतने करीब आए थे। खगोल वैज्ञानिक स्वयं भी टेलीस्कोप के जरिये इस घटना का अध्ययन करेंगे और दूसरों को भी उन्होंने यही सलाह दी है। किसी किस्म के खतरे जैसी कोई बात नहीं है। बृहस्पति के लाल स्पॉट और धारियों को सबसे बेहतर रूप में देखा जा सकेगा, पर इसके लिए जरूरी है कि आसमान साफ हो, और धूल या प्रदूषण की छाया न हो। सूखे और अंधेरे इलाकों से बृहस्पति के दर्शन सबसे बेहतर होंगे। वैसे सामान्य ज्ञान के अनुसार, मंगल और शुक्र हमारे सबसे करीबी पड़ोसी हैं। शुक्र किसी भी अन्य ग्रह की तुलना में पृथ्वी के ज्यादा करीब आता है और इसकी कक्षा हमारे सबसे करीब है। हालांकि, साल भर में आधे से अधिक समय तक शुक्र नहीं, बल्कि बुध हमारे सबसे निकट रहता है। अचरज की बात नहीं है कि अंतरिक्ष विज्ञानी मंगल और शुक्र पर पहुंचने को लालायित हैं। इस हिसाब से देखें, तो बृहस्पति तो पृथ्वी से बहुत दूर है। बृहस्पति ग्रह हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है, लेकिन यह मुख्य रूप से एक गैस पिंड है, जिसका द्रव्यमान सूर्य के हजारवें भाग के बराबर बताया जाता है। इस पर मौजूद द्रव्यमान सौरमंडल में मौजूद अन्य सात ग्रहों के कुल द्रव्यमान से ढाई गुना ज्यादा बताया जाता है। आकाश साफ व धूल-रहित हो, तो नंगी आंखों से भी पहचाने जाने वाले विशालकाय बृहस्पति को शनि, अरुण और वरुण के साथ एक गैसीय ग्रह के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से अगर देखें, तो बृहस्पति का बहुत सम्मान व महत्व है। रोमन सभ्यता में एक ईश्वर के नाम पर जूपिटर नाम रखा गया है, जबकि भारतीय संस्कृति के अनुसार, बृहस्पति देवताओं के गुरु कहे जाते हैं, जैसे शुक्र या शुक्राचार्य दानवों के गुरु थे। बृहस्पति बनते काम को अंतिम समय में अटका सकते हैं और अगर मेहरबान हो जाएं, तो कोई मार्ग में बाधा नहीं बन सकता। यह बहुत चमकीला ग्रह है, शुक्र और चंद्रमा की तरह ही पृथ्वी से सर्वाधिक चमकदार दिखता है। सोमवार को इसकी चमक खास होगी। इंसानों को अंतरिक्ष के शोध में अभी बहुत आगे होना चाहिए था। चांद पर पहुंचने के बाद इंसान मानो पचास साल से ठहरा हुआ है। शायद इस बार गुरु ग्रह के पास आने से अंतरिक्ष विज्ञान को तेज गति मिलेगी।

> सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से अगर देखें, तो बृहस्पति का बहुत सम्मान व महत्व है। रोमन सभ्यता में एक ईश्वर के नाम पर जूपिटर नाम रखा गया है, जबकि भारतीय संस्कृति के अनुसार, बृहस्पति देवताओं के गुरु कहे जाते हैं, जैसे शुक्र या शुक्राचार्य दानवों के गुरु थे। बृहस्पति बनते काम को अंतिम समय में अटका सकते हैं और अगर मेहरबान हो जाएं, तो कोई मार्ग में बाधा नहीं बन सकता।

नैतिकता और धर्म

बेंजामिन फ्रैंकलिन 20वीं सदी के अमेरिका में एक अत्यंत लोकप्रिय बहुआयामी व्यक्तित्व हुए। वह प्रकाशक, लेखक, दार्शनिक, राजनीतिक, अन्वेषक इत्यादि बहुत कुछ थे। उन्होंने अमेरिकी चिंतन को बहुत प्रभावित किया। उनके करिश्माई व्यक्तित्व के कारण लोग उन्हें 'इलेक्ट्रिक फ्रैंकलिन ' कहने लगे थे। अपने संस्मरण में उन्होंने लिखा है, बचपन से ही उन्हें पूर्ण होने की इच्छा थी, सो उन्होंने बारह नियम तय किए, जिनका उपयोग करके वह पूर्ण हो जाएंगे। उन बारह नियमों में वे सभी श्रेष्ठ बातें शामिल थीं, जिनकी चर्चा धर्मों ने की है- संयम, संकल्प, शील, शांति, मौन, सद्भाव इत्यादि। उन्हें साधने के लिए उन्होंने एक-एक व्रत का अभ्यास शुरू किया- बुरा बोलना बंद कर दिया, जब कोई बुरा विचार आए, तो उसे दबाना शुरू किया, रोज रात यह हिसाब करने लगे कि मैंने आज कोई बुरी बात तो नहीं कही, किसी चीज में असंयम तो नहीं किया, कोई अनाचार तो नहीं हुआ, आलस्य तो नहीं किया। अभ्यास साधते-साधते वह सिद्ध हो गए। जब उनका आचरण पूरा सध गया, तब उन्हें एक ईसाई संत मिला। उन्होंने कहा, तुमने सब साध लिया, लेकिन बड़े अहंकारी हो गए हो। अब अपनी सूची में तेरहवां नियम जोड़ लो- विनम्रता। फ्रैंकलिन ने कहा, मैं उसे भी साध लूंगा। अब उन्हें नया अहंकार पकड़ गया, विनम्र बनने का। मगर वह एक सर्जनशील, संवेदनशील व्यक्ति थे। उन्होंने अंतत: लिखा, मेरी जो भी उपलब्धि है, वह सिर्फ दिखावा है, 'इट इज जस्ट ए एपियरंस। जो भी मैंने साधा है, वह मेरा चेहरा बन गया है, आत्मा नहीं बन पाया। नैतिकता के बारे में ओशो यही बात कहते हैं कि नैतिकता धर्म नहीं है। जो आचरण साधा जाता है, वह सिर्फ ऊपर-ऊपर रहता है। वह केवल मुखौटा बनता है। धुले हुए सफेद कपड़े पहन लीजिए, थोड़ा धवल आचरण साध लीजिए, आप धार्मिक बन गए। यह सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए होता है।

> **मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें जीवन प्रत्याशा के साथ-साथ ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुंच, इंटरनेट की उपलब्धता, जीवन व संपत्ति की सुरक्षा और आय की असमानता को पाटने जैसे अहम मापदंडों पर सुधार करने की आवश्यकता है। हमें अपने एचडीआई स्कोर को 0.645 के मौजूदा मध्यम स्तर से 0.8 के करीब ले जाने की जरूरत है, ताकि हम उच्च स्तर पर पहुंच सकें।**

नए सामाजिक अनुबंध की जरूरत

एन के सिंह, चेयरमैन, 15वां वित्त आयोग

पचहत्तर साल पहले भारत को भूख और भुखमरी से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। उस काल-खंड में विदेशी मुद्रा पाने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ी थी। हमारे सामने तब एक आजाद मुल्क बने रहने और अति-गरीबी से मुक्ति के लिए अपने आर्थिक विकास को गति देने की भी चुनौती थी। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू व निर्यात संबंधी प्रतिस्पर्द्धी बुनियादी ढांचे और कृषि व विनिर्माण क्षमताओं के आधुनिकीकरण को लेकर भी हम प्रयासरत थे। इसी तरह, सामंती व्यवस्था से ऊपर उठते हुए हमें एक ऐसे युग में प्रवेश करना था, जहां समानता और सामाजिक गतिशीलता को अधिक प्रोत्साहन मिले। इस लिहाज से देखें, तो इन सभी अहम कसौटियों पर हमने अच्छी-खासी तरक्की की है।

मगर क्या हमने अवसर भी गंवाए, गलतियां भी कीं? वास्तव में, हर सफलता कमियों और गंवाए गए अवसरों के साथ ही रेखांकित की जाती है। जैसे, यह समझ से परे है कि कैसे हमने अत्यधिक नियंत्रण वाले केंद्रीकृत योजनाबद्ध मॉडल को लगातार बनाए रखा। यह भी बहुत साफ नहीं कि साल 1991 के आर्थिक सुधार उस समय की मजबूरी थे या हमारी चयन संबंधी आजादी का प्रतिफल? विकल्प तभी सार्थक होते हैं, यदि चुनने के रास्ते कई हों। साल 1991 में हमारे पास चयन के विकल्प सीमित थे। इस परिस्थिति में यदि हम यहां से अगले 25 वर्षों के लिए अपनी यात्रा शुरू करते हैं, तो 100वें साल पर भारत के लिए हमारी खोज क्या होगी? उन लक्ष्यों की झलक स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के संबोधन में हमें मिलती है, जिनमें सामाजिक सुधार और पुनर्रचना भी शामिल हैं। उनके 'पांच प्रण' के हर प्रण में दूरगामी बदलाव नजर आते हैं और इनमें सबसे अहम है भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प। लिहाजा, हमें खुद से यह पूछना चाहिए कि एक विकसित देश हम कैसे बनेंगे, और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें किस तरह के बदलावों की जरूरत है?

व्यापक अर्थों में इसका मतलब है, सामाजिक अनुबंध की पुनर्रचना। सन् 1762 में जीन-जैक्स रूसो द्वारा गढ़े गए मूल सामाजिक अनुबंध में शासन संरचना और उसके प्रति दायित्व को लेकर नागरिकों में सहमति थी। बेशक समय की कसौटी पर यह अनुबंध काफी हद तक खरा उतरा है, लेकिन अगले 25 वर्षों के बदलाव की प्रकृति और उसकी रफ्तार पुराने अनुभवों के मुकाबले अलग हो सकती है। जाहिर है, नए सामाजिक अनुबंध से तात्पर्य यह है कि न केवल नागरिक अधिकारों को लेकर, बल्कि उसके कर्तव्यों को लेकर भी नए प्रावधान तय करने की जरूरत है। सवाल है कि एक उच्च आय वाले विकसित देश में हम कैसे शुमार होंगे?

एक, हमें आर्थिक विकास की उन दरों को पाना होगा, जो हमारी प्रति व्यक्ति आय को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की परिभाषा के मुताबिक तय 20 हजार डॉलर नॉमिनल जीडीपी या विश्व बैंक के मापदंड के अनुरूप 12,696 डॉलर के करीब ले आए। अभी हम एक मध्य-आय वाले देश हैं। सिंगापुर सरकार के वरिष्ठ मंत्री टी शणमुगरत्नम ने प्रथम अरुण जेटली व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों की औसत आय बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने के लिए भारत को अगले 25 वर्षों तक आठ से दस फीसदी की दर से विकास करना होगा। यह अनुमान लगाया गया है कि इसके लिए आईएमएफ स्तर के हिसाब से 9.36 प्रतिशत और विश्व बैंक के स्तर के लिहाज से 7.39 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को हासिल करना अनिवार्य होगा। साफ है, व्यापार विकास की मुख्य धुरी होगा। हमें एक ऐसी व्यापार नीति तंत्र की जरूरत है, जो वास्तविक विनिमय दरों से आगे जाता हो, बल्कि अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए व्यापार, रसद, परिवहन और नियामक ढांचे में उल्लेखनीय सुधार कर सके। आयात शुल्कों की संकीर्ण व्याख्या आत्मनिर्भर भारत के दर्शन से उलट है। जब तक प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर आयात उपलब्ध न होंगे, निर्यात क्षमता प्रतिस्पर्द्धी नहीं बन सकेगी। इसके अलावा, चीन के उदय सहित बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं व बदलावों को देखते हुए हमारी व्यापार रणनीति को एक अलग पटकथा की जरूरत है।

दो, मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें जीवन प्रत्याशा के साथ-साथ ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुंच, इंटरनेट की उपलब्धता, जीवन व संपत्ति की सुरक्षा और आय की असमानता को पाटने जैसे अहम मापदंडों पर सुधार करने की आवश्यकता है। हमें अपने एचडीआई स्कोर को 0.645 के मौजूदा मध्यम स्तर से 0.8 के करीब ले जाने की जरूरत है, ताकि हम उच्च स्तर पर पहुंच सकें। इसके लिए हमें मान्यता प्राप्त निर्यात निकायों की सिफारिशों के अलावा, शिक्षा व स्वास्थ्य देखभाल पर नए सिरे से जोर देने के लिए 2020 की नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में की गई प्रतिबद्धताओं के पालन की आवश्यकता है। तीन, जलवायु संकट के खिलाफ लड़ाई व जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने का अर्थ है मौलिक तरीकों से जीवन का संचालन। इसका मतलब है, कृषि पद्धतियों, उर्वरकों व कीटनाशकों के इस्तेमाल और यातायात के तरीके में बड़े पैमाने पर बदलाव। जाहिर है, ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, सौर पैनल, बैटरी भंडारण और परिवहन से जुड़े नियमों-नियामकों में व्यापक परिवर्तन करना होगा। इनमें निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने से जोखिम कम होगा, बहुपक्षीय संस्थानों से संसाधन जुटाए जा सकेंगे और लघु व मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। हमें अब भी सामाजिक क्षेत्र और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश करना होगा। मगर अनुकूलन और शमन के इस संयुक्त प्रयास के लिए तमाम हितधारकों की सहभागिता व सक्रिय योगदान की जरूरत होगी। इसमें केंद्र, राज्य सरकारों के अलावा सामाजिक क्षेत्र भी शामिल हैं।

एक विकसित देश बनना हमारा नया सामाजिक अनुबंध है, ताकि गुलामी की औपनिवेशिक विरासत के संकेतकों को मिटाकर उनकी जगह हम गौरव और अपेक्षाओं से युक्त कर्तव्यबोध को स्थापित कर सकें। अल्बर्ट आइंस्टीन ने बिल्कुल दुरुस्त कहा है, 'अतीत से सीखो, वर्तमान में जियो और भविष्य से उम्मीदें पालो।' भविष्य के आकलन का सबसे बेहतर तरीका है इसे गढ़ना!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शायद तब आर्थिक मंदी का डर हमें इतना नहीं सताता

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

अर्थशास्त्र में एक कहावत है - किसी समस्या पर विचार के लिए एक कमरे में तीन अर्थशास्त्रियों को बंद कर दें, दो दिन बाद जब आप उस कमरे को खोलेंगे, तो वहां आपको चार अलग-अलग तरह के विचार मिलेंगे। भीषण महंगाई और मुद्रास्फीति से त्रस्त पश्चिमी देशों की घबराई हुई अर्थव्यवस्थाओं में इन दिनों विचारों की बाढ़ सी आई हुई है। महंगाई क्यों है और वह कहां ले जाएगी, इसे लेकर व्याख्याओं के नित नए ढेर लग रहे हैं। यह सिलसिला पिछले कई महीनों से चल रहा है, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह से ऐसे अर्थशास्त्रियों की संख्या अचानक ही बढ़ रही है, जो कह रहे हैं कि एक बड़ी, बुरी और तकलीफदेह मंदी हमारे दरवाजे पर पहुंच चुकी है। भविष्यवाणी की जाने लगी है कि मंदी सबसे पहले अमेरिका से शुरू होगी और फिर पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लेगी।

इसे लेकर सबसे ताजा बयान न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री नूरियल रूबिनी का है, जो कह रहे हैं कि आर्थिक मंदी इसी साल धमकेगी और अगले साल तक काफी घनीभूत हो जाएगी। वह रूबिनी ही थे, जिन्होंने 2008 की मंदी की भविष्यवाणी सबसे पहले की थी। हालांकि, इस बार उनसे पहले ही बहुत से लोग मंदी की आशंका जता चुके हैं। विश्व बैंक ने इसको लेकर पहले ही आगाह किया था। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी यही कह रहा है। इस फेहरिस्त में नोबल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज भी शामिल हैं।

जब कोई संकट आता है, तो हम इतिहास खंगालने लगते हैं कि कब कौन सी मंदी कितना बड़ा खतरा लाई थी। मंदी ने बहुत से भीषण युद्ध कराए हैं। कई बार यह युद्ध का परिणाम भी रही है। इसकी वजह से क्रांतियां हुई हैं, सिंहासन डोले हैं, तख्तापलट भी हुए हैं। 15 अगस्त, 1947 को भारत को जो आजादी मिली, कुछ लोग उसमें भी ब्रिटेन की भीषण मंदी की ही भूमिका देखते हैं। भारत की आजादी पर लिखी गई लैरी कॉलिंस और डॉमिनिक लैपियर की किताब फ्रीडम एट मिडनाइट को, जिसका पहला अध्याय ही ब्रिटेन की मंदी से शुरू होता है।

उस इतिहास के मुकाबले हाल-फिलहाल के अनुभव हमारे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं, खासकर 2008 की विश्वव्यापी मंदी के, जो 21वीं सदी की पहली बड़ी मंदी थी। इस मंदी के मूल में अमेरिका में वर्षों से खड़ा किया गया उधार तंत्र का संकट था, जो देखते-देखते पूरी दुनिया में फैल गया। मगर इस संकट ने बता दिया था कि भूमंडलीकृत दुनिया में ऐसे संकट किसी एक जगह नहीं ठहरते। एक बड़ी अर्थव्यवस्था को जुकाम हो जाए, तो छींकें सभी को आने लगती हैं। इसे 1929 की महामंदी के बाद का सबसे बड़ा वैश्विक आर्थिक संकट माना गया था। मगर एक बड़ा फर्क रहा। 1929 की महामंदी ने दूसरे विश्व युद्ध के लिए जिस तरह की भूमिका बनाई थी, इस बार वैसा कुछ भी नहीं हुआ। पिछली मंदी की खासियत यही रही कि सिर्फ वित्तीय उपायों से ही उससे निपट लिया गया। 2008 की मंदी ने दुनिया भर की सरकारों और अर्थशास्त्रियों को यह विश्वास दिया कि वे सिर्फ नीतियों में बदलाव करके अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े संकट से निपट सकते हैं। नुकसान यह हुआ कि वे स्थितियां, जो इस मंदी का कारण बनी थीं, उन पर किसी ने कुछ नहीं किया। सरकार को हिला देने वाला कोई बड़ा आंदोलन तक नहीं हुआ। बाद में अमेरिका में 'ऑक्युपाई वॉल स्ट्रीट' नाम की हलचल जरूर हुई, जो आर्थिक गैर-बराबरी, सरकारी भ्रष्टाचार और सरकार पर बड़ी पूंजी के प्रभाव के खिलाफ थी, पर वह थोड़ी बहुत सुर्खियां बटोरकर तिरोहित भी हो गई। यह टिप्पणी भी उन दिनों सुनने को मिली थी कि व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का गठजोड़ अब इतना मजबूत हो गया है कि कोई मंदी उसे हिला नहीं सकती। मंदी की आशंका से तमाम सरकारें, कॉरपोरेट और उनके थिंक-टैंक दुबले हुए जा रहे हैं। अभी हमें पता नहीं है कि अर्थव्यवस्था का यह तूफान जब टकराएगा, तो कितना विनाश होगा? 2008 की मंदी का अनुभव जरूर बताता है कि डर और आशंकाएं भले ही अभी हों, पर हमारे अर्थज्ञान ने मंदी से निपटने का तकनीकी ताम-झाम जरूर विकसित कर लिया है। काश, इस ज्ञान का इस्तेमाल सामाजिक अर्थव्यवस्था के अंतर-विरोध को खत्म करने में होता, तो शायद मंदी इस ओर रुख ही न करती।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

पौराणिक कथाएं, भजन कीर्तन, पूजा पाठ, यज्ञ, अन्तर-आत्मा को स्पर्श कर देते हैं, ऐसा लगता हैं, जैसे प्राण वायु का संचार, फिर से कर देते हैं।

-अंजली जैन
7024460938

मोहन भागवत की नई पहल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और अखिल भारतीय इमाम संघ के प्रमुख इमाम उमर इलियासी दोनों ही हार्दिक बधाई के पात्र हैं। इन दोनों सज्जनों ने जो पहल की है, वह एतिहासिक है। इलियासी ने दावत दी और भागवत ने उसे स्वीकार किया। मोहन भागवत मस्जिद में गए और मदरसे में भी गए। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों से खुलकर बात की।

इसके एक दिन पहले मोहन भागवत ने पांच नामी-गिरामी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी संवाद किया। मोहनजी ने राष्ट्रीय एकात्म पैदा करने की यह जो पहल की है, इसकी शुरुआत पूर्व संघ-प्रमुख कुप्प सी सुदर्शन ने की थी। सुदर्शनजी कन्नड़भाषी थे। उनका लालन-पालन और शिक्षण मध्यप्रदेश में हुआ था। वे इंदौर में संघ की शाखा चलाया करते थे। वे मेरे अभिन्न मित्र थे। वे लगभग 60-65 साल पहले इंदौर में मेरे घर पर आने वाले मेरे मुसलमान और ईसाई मित्रों से खुलकर बहस किया करते थे।

मेरे पिताजी के पुस्तकालय में इस्लाम पर जितने भी ग्रंथ थे, वे सब उन्होंने पढ़ रखे थे। उनकी यह पक्की धारणा थी कि भारत के हिंदू और मुसलमान सभी भारतमाता की संतान हैं। यह जरुरी है कि वे मिलकर रहें और उनके बीच सतत संवाद और संपर्क बना रहना चाहिए। जब सुदर्शनजी सर संघचालक बने तो उन्होंने 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बनवाया, जिसका सफल संचालन इंद्रेशकुमार कर रहे हैं। सुदर्शनजी ने मेरे अनुरोध पर स्वयं लखनऊ जाकर कई मौलानाओं और समाजवादी नेताओं से सस्नेह संवाद कायम किया।

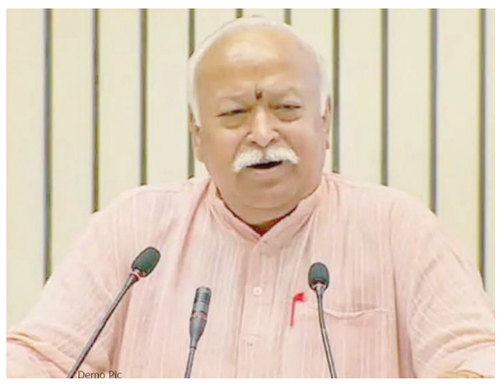

उसी धारा को अब मोहन भागवत ने काफी आगे बढ़ा दिया है। मोहनजी ने अपने संवाद में साफ-साफ कहा कि जिहाद के नाम पर हिंसा और बैर-भाव फैलाना तथा हिंदुओं को काफिर कहना कहाँ तक ठीक है? इसी प्रकार उन्होंने अपने कथन को दोहराया कि हिंदू और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही है। वे सब भारतमाता की संतान हैं। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनकी शिक्षा में आधुनिक विषय पढ़ाने के सुझाव भी दिए।

मोहन भागवत के आगमन और संवाद से सम्मोहित हुए इमाम इलियासी ने उन्हें 'राष्ट्रपिता' तक कह दिया। फूलकर कुप्पा होने की बजाय विनम्रता के धनी मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रपिता तो एक ही हैं। हम सब राष्ट्र की संतान हैं। इलियासी अक्सर मुझसे कहा करते हैं कि मुसलमान तो मैं पक्का हूँ लेकिन मैं राजपूत भी हूँ, यह मत भूलिए। हिंदुओं और मुसलमानों में जो लोग कट्टरपंथी हैं, उन्हें भागवत और इलियासी, दोनों से काफी नाराजी हो रही होगी लेकिन वे जरा सोचें कि नरेंद्र मोदी राज में कट्टरवादियों ने कटुता और संकीर्णता का जैसा माहौल बना रखा है, उसमें क्या यह भेंट आशा की किरण की तरह नहीं चमक रही है?

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उनके नेताओं से जब भी मेरी बात होती है, वे संघ पर प्रहार करने से कभी नहीं चूकते लेकिन क्या अब वे यह महसूस नहीं करेंगे कि यह जो नई विचारधारा भारत में चल पड़ी है, यह भारत के हिंदुओं और मुसलमानों को ही एक-मेक नहीं कर देगी बल्कि यह प्राचीन भारत याने आर्यावर्त्त याने दक्षिण एशिया के पड़ौसी देशों को भी एक सूत्र में बांधने का काम करेगी। यही असली 'भारत जोड़ो' है।

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

शासकीय महाविद्यालय दंतेवाड़ा में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी के कारण लोग प्राय: तनाव को लेकर खुलकर बात नहीं करते हैं। इसका प्रभाव छात्रों और युवाओं पर भी देखने को मिलता है। तनाव से ग्रसित हो चुके ऐसे लोगों को काउंसलिंग के माध्यम से राहत देने का काम अब, शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दंतेवाड़ा का मनोविज्ञान विभाग करेगा।

इसके जरिए विद्यार्थियों के मन में होने वाले घबराहट, चिंता, आशंका, निराशा, तनाव, असुरक्षा, चिड़चिड़ापन, निद्रा संबंधी परेशानी, और उचित निर्णय नहीं ले पाने जैसे पहलुओं पर मनोवैज्ञानिक सलाह देने के लिए महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र की स्थापना की गयी है।

मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष मनोज कुमार राव ने मानसिक परामर्श केंद्र की ऊपयोगिता बताते हुए कहा: प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में विभिन्न कारणों के चलते तनाव उत्पन्न होते हैं। विद्यार्थियों के मन में भी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आती रहती है। यदि समय पर इस समस्या की पहचान कर उन्हे परामर्श दिया जाए तो गंभीर मानसिक अवसाद से बचाया जा सकता है। ऐसे में मानसिक रूप से पीड़ित और तनावग्रस्त छात्रों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने में यह परामर्श केंद्र उपयोगी साबित होगा। परामर्श केंद्र अवकाश के दिनों में छोड़कर प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक संचालित होगा।

उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया: मानसिक परामर्श केन्द्र में, कालेज के अध्ययनरत छात्रों के लिए मनोविज्ञान विभाग कक्ष क्र. 13 में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र शुरू किया गया है। जिसमें राज्य मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय सेंदरी से जुड़े पूर्व मनोवैज्ञानिक सलाहकार एवं विभाग के प्रमुख शिक्षकों द्वारा उचित परामर्श प्रदान की जाएगी। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. देश दीपक ने बताया: हम अपनी दैनिक दिनचर्या सही रखे तो अनावश्यक रूप से तनाव से बच सकते हैं जीवन में तनाव आवश्यक है यदि इसकी मात्रा आदर्श स्तर की है तो यह कार्य क्षमता को बढ़ाता है लेकिन यदि इसकी मात्रा कम या अधिक होती है तो यह कार्य क्षमता को प्रभावित कर देती है। लेकिन अब समय बदल रहा है, युवा वर्ग अपनी मानसिक तनाव को लेकर अधिक सजग हैं, वे तनाव के विषय को लेकर आगे आ रहे हैं, और इसे कैसे दूर किया जाए इसका भी समर्थन कर रहे हैं। महाविद्यालय में परामर्श केंद्र खुलने से निश्चित रूप से उन्हे लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहान्स) से प्रशिक्षण ले चुके मनोविज्ञान विभाग के सहायक शिक्षक डॉ. दिनेश कुमार लहरी ने बताया : वर्तमान समय में लोगो की बदलती जीवन शैली तनाव को जन्म दे रही है। लेकिन प्रत्येक समस्या का समाधान होता है। इसके लिए हमें धैर्यपूर्वक परिस्थिति का सामना करना चाहिए। यदि हमारे पास हल नहीं है तो परामर्शदाता की सहायता लेनी चाहिए। इसमें किसी तरह की झिझकने वाली बात नहीं है। महाविद्यालय में इस परामर्श केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य यह है कि प्रत्येक व्यक्ति शांतिपूर्ण जीवन के लिए अपने आपको तैयार करे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पार्वती नायर (क्लिनीकल साइकोलॉजिस्ट यूनिसेफ) , नैदानिक मानस एनजीओ नई दिल्ली, डॉक्टर दिनेश कुमार लहरी (सहायक अध्यापक मनोविज्ञान विभाग) डॉ शिखा सरकार, डॉ केएन प्रसाद, डॉ रत्नबाला मोहंती, धारणा ठाकुर, पीरीसिंह ठाकुर, सुधीर कुमार अग्रहरी, राजीव कुमार पाणिग्राही, रेशमा एक्का, बंशीधर चौहान, सरला पैकरा, दुष्यंत तारम , सिद्धार्थ देवांगन,अमित कुमार साहू,प्रभा मांझी, वैजयंती ठाकुर, महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

महाराज सुयस सागर जी का हुआ ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

लोगो ने की देश व समाज की खुशहाली की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाराज सुयस सागर जी का सकल समाज ने ढोल नगाड़ों के साथ निकाली भव्य रथ यात्रा हुआ जोरदार भव्य स्वागत,लोगो ने की देश व समाज की खुशहाली की कामना। बाकलीवाल परिवार व सकल जैन समाज की ओर से रथ यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई। रथ यात्रा ढोल नगाड़ों के बीच अपने परंपरागत दीपक नगर मार्गों से होती हुई मालवीय नगर होकर विद्यायक निवास होते हुए महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पदमनाभपुर पहुंची।

विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल एवं अंकित भैया ने महाराज सुयस सागर जी के रथ यात्रा का पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। महाराज सुयस सागर जी के रथ यात्रा का जैन समाज के लोगो ने अनेको स्थान पर श्रीजी की आरती कर स्वागत किया।रथ यात्रा में ढोल नगाड़े सहित रथ नागरिको के आकर्षण का मुख केंद्र बना रहा। शहर व आस पास क्षेत्रो से आए बैंडबाजों को धुनों पर जैन समाज के महिला-पुरुष व बच्चे खुशी से झूमते एवं नाचते हुए चल रहे थे। इस अवसर पर सीताराम जी, महापौर धीरज बाकलीवाल, नीरज बाकलीवाल,संजय,राकेश जैन, सुभाष बाकलीवाल,आशीष जैन, विनोद जैन,नवीन जैन,लालचंद गोहरा, विनोद पाटनी, प्रेंस, राहुल जैन,अनिल जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।-कल सुबह 7.00 बजे दिन सोमवार को ध्वजारोहण एवं मंगल विधान प्रवेश। 27 सितम्बर दिन मंगलवार से 1 अक्टूबर तक भव्य कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 7.00 बजे से अभिषेक,पूजन एवं विधान रात्रि 7.30 बजे से आरती एवं प्रवचन होगा।

स्थान श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पद्मनाभपुर! बाकलीवाल परिवार ने निवेदन किया है कि इस आशीर्वाद कार्यक्रम में सभी अधिक से अधिक कार्यक्रमो में सहभागिता देकर इस चातुर्मास से धर्म लाभ भी ले साथ ही इसे ऐतिहासिक बनाने में सहयोग दे।

खास खबर

औचक निरक्षण में स्कूलों पहुंचे डीईओ, कहीं स्कूल बंद तो कहीं शिक्षक अनुपस्थित रहे

नारायणपुर। स्कूलों में छात्र-छात्राओं की शिक्षा गुणवत्ता एवं वर्तमान समय मे होने वाले त्रैमासिक आकलन को ध्यान में रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नारायणपुर जीआर.मण्डावी द्वारा शनिवार को जिले के शालाओं का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें संकुल केंद्र रेमावण्ड अंतर्गत प्राथमिक शाला गोहड़ा का शाला बंद पाया गया, इस शाला में तीन शिक्षक पदस्थ है, जिसमें श्रीमती ज्योति ठाकुर एवं श्रीमती ममता अनुपस्थित मिले वहीं अन्य शिक्षक सोमदेर पोटाई आश्रम अधिक्षक आश्रम मे उपस्थित मिले शाला निर्धारित समय के पूर्व बंद होने पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नाराजगी जाहिर की है। वहीं प्राथमिक शाला मालिंगनार मे बालवाडी संचालन कि वास्तविक स्थिति जानने निरिक्षण किया गया इस संस्था मे भी तीन शिक्षक श्रीमती ममता मेडीया, फिलमन टोप्पो, एवं नारायण पोटाई पदस्थ होना पाया गया, लेकिन निरिक्षण के दौरान सिर्फ एक शिक्षक फिलमन टोप्पो शाला मे उपस्थित मिले वहीं अन्य दोनो शिक्षक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गयें उपस्थित शिक्षक ने बताया एक शिक्षक संकुल समन्वयक का कार्य कर रहें हैं। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुये कहा कि शनिवार का दिन शालाओं मे उपचारात्मक गतिविधियों का दिन रहता है, इस दौरान संकुल समन्वयक को अपने संकुल अंतर्गत शालाओं मे होना चाहिए। प्राथमिक शाला पटेलपारा का भी औचक निरीक्षण किया गया जहां दो शिक्षक पदस्थ हैं यहा भी एक शिक्षक बधुराम शोरी बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गयें। जिला शिक्षा अधिकारी श्री.मण्डावी द्वारा बच्चों का आकलन किया गया बच्चों का स्तर कक्षा अनुरूप नहीं पाया गया।

मध्य भारत का सबसे बड़ा ज्योति कलश भवन से दन्तेश्वरी मां के आंगन में सजेगी शाम

चंदखुरी के तर्ज पर संवरेगी दंतेवाड़ा जिले का नव ज्योतिकलश भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। एतिहासिक दन्तेश्वरी मंदिर अपनी पौराणिक कथाओं को लेकर प्रसिद्ध है, अब एक और आयाम लिखने जा रही है।दंतेश्वरी मंदिर परिसर में मध्य भारत का सबसे बड़ा ज्योति कलश भवन का निर्माण होने जा रहा है।धार्मिक, सांस्कृतिक और कलात्मक आधुनिकीकरण की रूपरेखा के साथ तैयार भवन श्रद्धालुओं को प्राचीन के साथ नवीन दंतेवाड़ा का एहसास कराएगी। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन व दिशा निर्देशन में जिले में ज्योतिकलश भवन का निर्माण किया जाएगा।चंदखुरी के तर्ज पर भवन का निर्माण कर दन्तेश्वरी माई की भव्यता वृहद स्तर पर साकार करेंगी।

स्तंभ अलंकरण, गेट डिजाइन जैसे विभिन्न तत्व मुख्य रूप से मां दंतेश्वरी मंदिर से प्रेरित हैं।नवनिर्मित ज्योतिकलश भवन को इस तरह से डिज़ाइन किया जाएगा जिससे दंतेश्वरी मां का दर्शन करने वाले श्रद्धालु अब माता के दर्शन के साथ ही उनकी महिमा को भी जान सकेंगे।

नव ज्योतिकलश भवन की दीवारें गई जानकारियां दीवारों पर उकेरी जाएंगी।माँ दंतेश्वरी मंदिर की वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने के लिए सामग्री के रूप लाल बलुआ पत्थर का उपयोग भवन निर्मित करने के लिए किया जाएगा।

तलघर में पूजा एवं हवन सामग्री को व्यवस्थित एवं सहेज कर रखने हेतु भंडार गृह का निर्माण किया जा रहा है भूतल में यज्ञशाला का निर्माण किया जा रहा है इस यज्ञशाला में नौ ग्रह के स्थान को ध्यान में रखते हुए उस ग्रह के हवन कुंड का निर्माण पुराणों में उल्लेखित रूप के आधार पर निर्माण किया जा रहा है।प्रशासनिक भवन का निर्माण भी भूतल में किया जा रहा है जिसमे ज्योति कलश स्थापना से संबंधित कार्यों का संचालन किया जाएगा उस भवन में पुजारी एवं कर्मचारी वर्ग के लिए प्रसाधन की सुविधा एवं प्रशासनिक भवन में सहायता कक्ष का भी निर्माण किया जा रहा है।

भवन के चारों दिशाओं में भक्तों के विश्राम करने हेतु पगोडा नुमा स्थान का निर्माण किया जा रहा है। जिसमे श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण का आनंद ले पाएंगे।भविष्य में यह वृहद स्तर पर पर्यटन के रुप मे विकसित होगा जिससे अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलेगा।आपको बता दे कि टेम्पल कमेटी के सदस्यों द्वारा पूर्व में ज्योतिकलश भवन हेतु मांग की गई थी।

इस पर मुख्यमंत्री ने सहमति जताते हुए भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर मेढ़का डोबरा में ज्योतिकलश भवन के लिए आधारशिला रखी गयी।मां दंतेश्वरी के दरबार में प्रति वर्ष शारदीय और चैत्र नवरात्रि पर हजारों श्रद्धालु मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करवाते हैं। परन्तु भवन छोटा होने के कारण सीमित संख्या में ज्योति कलश की स्थापना हो पाती थी नए भवन में 11100 ज्योति कलश की स्थापना की जा सकेगी।

फेडरेशन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव बने संजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। फेडरेशन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय चुनाव में छत्तीसगढ़ से भिलाई के संजय शर्मा राष्ट्रीय सचिव व सुभाष जायसवाल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चुने गए। फेडरेशन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर ऑफइंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव शनिवार को होटल मधुबन ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में हुआ।

बता दें फेडरेशन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ इंडिया देश के तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की ऑइल कम्पनियां इण्डेन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम एवं भारत पेट्रोलियम के समस्त एलपीजी वितरको का प्रतिनिधित्व करती है। जिसके देश भर के एलपीजी वितरक सदस्य है ओर हर प्रदेश में प्रादेशिक इकाइयां डिस्ट्रीब्यूटरो के हित मे कार्य कर रही है। शनिवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय सचिव पद पर छत्तीसगढ़ से प्रगति गैस एजेंसी भिलाई के संचालक संजय शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए। संजय शर्मा इसके पूर्व भारत गैस डिस्ट्रीब्यूटर फेडरेशन छत्तीसगढ़ के लगातार 6 वर्ष अध्यक्ष पद पर रहे हैं। छत्तीसगढ़ से संजय शर्मा को राष्ट्रीय सचिव व सुभाष जायसवाल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में प्रतिनिधिव मिलने पर समस्त एलपीजी वितरको में हर्ष है।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया वृक्षारोपण

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी छ: ग प्रदेश विधि प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक जय प्रकाश चंद्रवंशी एवं भारतीय जनता पार्टी कोरबा छ ग जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह के निर्देशानुसार एव भाजपा विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक राजेन्द्र साहू के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा जिला विधि प्रकोष्ठ कोरबा के तत्वाधान में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम दिनाक 25 सितंबर 22 रविवार समय सुबह 9.30 से 10.30 बजे स्थल सार्वजनिक पंडाल सीएसईबी कॉलोनी पूर्व बिजली आफिस कोसाबाड़ी जोन के पीछे' सम्पन्न हुआ।

स्वस्थ-सामान्य प्रसव और आधुनिक लाइफस्टाइल

श्रीकंचनपथ

स्वस्थ गर्भावस्था, सामान्य प्रसव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य हमेशा से शासन की प्राथमिकता रही है. माता का पोषण स्तर सुधारने, गर्भावस्था के दौरान उसकी नियमित जांच करने और सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराने की दिशा में अनेक प्रयास किये गये हैं. नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 के मुताबिक छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु दर 159 प्रति लाख है. राज्य में हर साल 18 हजार से ज्यादा नवजात शिशुओं की मौत जन्म के 2 हफ्ते के अंदर और 26 हजार से ज्यादा की मौत एक साल के भीतर हो जाती है. 250 से अधिक बच्चे जन्म से ही हृदय रोगों का शिकार हो जाते हैं. वहीं 13त्न से ज्यादा शिशुओं का वजन जन्म के समय ढाई किलो से भी कम होता है. बच्चों में विभिन्न प्रकार की शारीरिक-मानसिक विकृतियां भी हो रही हैं. हमारा पूरा जोर जहां संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर रहा है वहीं विकसित देशों में सुरक्षित मातृत्व प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है. जिस योग को भारत ने जन्म दिया, उस योग को विकसित देशों ने अपनाया और फायदे में रहे. सामान्य दर्द रहित प्रसव के लिए वहां तरह-तरह के प्रयोग किये जाते हैं. इन्हीं में से एक है योग. यूनाइटेक नेशन्स इंटरनेशनल चिलड्रन्स इमरजेंसी फंड (यूनीसेफ) की मदद से छत्तीसगढ़ ने एक पहल की है. इसके तहत कोंडागांव जिले में एक पाइलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है. कोंडागांव के 47 वेलनेस सेंटर में गर्भवती महिलाओं को योग कराया जा रहा है. प्रोजेक्ट के नतीजे अच्छे आने पर इसे प्रदेश के साथ ही देश भर में अपनाया जा सकता है. दरअसल, गर्भस्थ शिशु के विकास के लिए माता-पिता के गुणसूत्रों के अलावा माता का साधारण स्वास्थ्य जिम्मेदार होता है. वहीं सामान्य सुरक्षित प्रसव में माता की शारीरिक संरचना और क्षमता की बड़ी भूमिका होती है. भारतीय जीवन पद्धति में बच्चे दरी पर बैठकर पढ़ते थे. झाड़ू, पोंछा, बर्तन, कपड़ा से लेकर गोबर लिपाई तक का काम उकड़ूं बैठकर किया जाता था. रसोई में नीचे बैठकर काम किया जाता था. पूजा-पाठ और भोजन भी लोग पालथी मारकर करते थे. पर आधुनिकता की अंधी होड़ में यह सब छूट गया. हमने हर काम खड़े-खड़े या कुर्सियों पर बैठकर करना शुरू कर दिया. कूल्हों ने फैलना छोड़ दिया, रीढ़ का लचीलापन भी जाता रहा. फेफड़ों और मांसपेशियों की जोर लगाने की स्वाभाविक क्षमता चली गई. सिजेरियन डिलीवरी के मामले बढ़ने लगे. इंतजाम करते-करते सरकार थक गई. डिलीवरी एक बड़ा व्यवसाय बन गया. मजबूर सरकार को आयुष्मान योजना निजी अस्पतालों से छीनकर सरकारी अस्पतालों तक सीमित करना पड़ा. पर सरकारी अस्पतालों में इतना इंतजाम कहां? लिहाजा अब महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और सक्षम बनाए रखने की पहल हो रही है. प्राणायाम से जहां उनकी सांस लेने, कुंभक लगाने और जोर लगाने की क्षमता विकसित होगी वहीं आसनों से उसके कूल्हे के जोड़ों का लचीलापन लौट आएगा. काश यह पहल किसी शहर से की जाती जहां लाइफस्टाइल चौपट हुई पड़ी है।

द मोबी वर्ल्ड

- हमारे याहं सेकंड हैंड मोबाईल की खरीद व बिक्री किया जाता है और नए मोबाईल का फायनेंस किया जाता है।
- मोबाईल का रिपेयरिंग और एसेसीरिज पुराने फोन एक्सचेंज करें और नए फोन में

10-20% छूटपाएं

शॉप नं-14, सरकारी स्कूल के बाजू में, नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई
मो.-7415686850, 7777888471

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

स्कूल शिक्षा विभाग ने तिमाही परीक्षा के लिए जारी किए नये निर्देश

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ली जाने वाली तिमाही परीक्षा के लिए नये निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देश के अनुसार तिमाही परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र को परीक्षा कक्ष में चाक से ब्लैक बोर्ड पर लिखा लिखकर छात्रों से हल कराया जाएगा। स्कूल स्तर पर संस्था प्रमुख, प्राचार्य द्वारा इन प्रश्न पत्रों को तैयार किया जाएगा।

गौरतलब है कि विगत दिनों कतिपय न्यूज चैनलों तथा अखबारों में तिमाही परीक्षा के लिए निर्मित केन्द्रीकृत प्रश्न पत्र के लिक होने के समाचार प्रकाशित हुए हैं। अत: सतर्कता-स्वरूप, विद्यार्थियों के मूल्यांकन कार्य की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को बरकरार रखते हुए कक्षा 1 से 8 तक के लिए एससीईआरटी कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा निर्मित व जारी प्रश्न पत्र के माध्यम से ली जाने वाली परीक्षा, मूल्यांकन कार्य संबंधी जारी निर्देशों को तत्काल प्रभाव से अधिक्रमित करते हुए नवीन निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार राज्य स्तर से पूर्व में जारी एवं शाला स्तर पर प्राप्त प्रश्नपत्रों का उपयोग किसी भी स्थिति में नहीं किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रश्न-पत्र की प्रकृति तथा संख्या ऐसी हो जिन्हें सुगमता से 10 से 15 मिनट में लिखा जा सके। परीक्षार्थियों को अपनी विषय की कॉपी में ही प्रश्नों के उत्तर लिखवाया जाए। शाला स्तर पर परीक्षार्थियों की कॉपी जांचकर मूल्यांकन कार्य पूर्ण कराया जाए। मूल्यांकन के बाद प्रश्नोत्तर कॉपी विद्यार्थियों को अनिवार्यत: लौटा दी जाए, ताकि वे तथा पालक स्वयं भी अपने स्तर से आवश्यक मूल्यांकन कर सकें, ताकि भविष्य में अतिरिक्त तैयारी कर सके। शाला स्तर पर ही परीक्षा की समय-सारिणी निर्धारित की जाए और अनिवार्यत: यह तिमाही परीक्षा अनिवार्य रूप से 10 अक्टूबर तक पूर्ण कर ली जाए। प्रश्न पत्र की एक प्रति परीक्षा आयोजित करने के बाद अनिवार्यत: जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित किया जाए, ताकि उनके स्तर से भी गुणवत्ता का आंकलन-परीक्षण हो सके एवं वे आगामी मूल्यांकन, परीक्षाओं के लिए संबंधित संस्था प्रमुख, प्राचार्यों को समुचित मार्गदर्शन दे सकें।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना काल के पश्चात् विद्यार्थियों की दक्षता और सीखने की गति को चरणबद्ध तरीके से प्रोत्साहित करने की मंशा से कक्षा 1 से 12वीं तक मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक अर्थात् सतत् मूल्यांकन कार्य कराए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। उल्लेखनीय है कि सतत् मूल्यांकन से तिमाही तथा अर्धवार्षिक परीक्षा का मूल लक्ष्य और उद्देश्य न तो विद्यार्थी को उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण करना रहा है और न ही तिमाही या छ:माही परीक्षा के प्राप्तांक वार्षिक परीक्षा में नहीं जोड़े जाने हैं- बल्कि शिक्षा सत्र के अंत में आयोजित वार्षिक परीक्षा की आवश्यक सतत् तैयारी के प्रति उन्हें सचेत और सक्रिय बनाये रखना है।

छत्तीसगढ़ सरकार की नई उद्योग नीति से प्रदेश में बन रहा औद्योगिक विकास के लिए अच्छा माहौल

प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए पूंजी निवेश को मिल रहा प्रोत्साहन, सरकार की उद्योगहितैषी नीतियों से अर्थव्यवस्था भी लगातार हो रही मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की औद्यौगिक नीति से प्रदेश में पूंजी निवेश को बढ़ावा मिल रहा है। उद्योग के लिए अनुकूल माहौल मिलने से नए उद्योग आ रहे हैं। नए उद्योगों की स्थापना से प्रदेश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ रही है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने नई औद्यौगिक नीति 2021-2024 में उद्योगों की स्थापना से जुड़े नियमों को सरल बनाया है। जिसमें उद्योगों को विभिन्न स्वीकृतियां प्रदान करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली लागू की गई है, कठिन प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है।

राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग के उद्यमियों द्वारा 5 करोड़ रुपए के पूंजीगत लागत तक के नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए 25 प्रतिशत, अधिकतम सीमा 50 लाख रुपए मार्जिन की राशि अनुदान दिए जाने का प्रावधान, ओबीसी वर्ग के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में 10 प्रतिशत भूखण्ड आरक्षण का निर्णय किया है, जबकि पहले की औद्योगिक नीति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए कोई प्रावधान नहीं था। सरकार द्वारा भूमि आवंटन भू-प्रब्याजी में 30 प्रतिशत और भू-भाटक में 33 प्रतिशत की कमी भी की गई है। ऐसे ही अनेकों सेवाओं के लिए ऑनलाइन सुविधा भी प्रदान की गई है। उद्योगों के लिए जमीन आवंटन और जमीन को फ्री होल्ड करने के व्यावहारिक प्रावधान करने समेत अनेकों कदम उठाए गए हैं जिससे प्रदेश में उद्योग एवं व्यवसाय के लिए अच्छा माहौल बन रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उद्योग विकास के लिए जिस तरह से नीतियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है उसकी तारीफ भारत सरकार भी कर रही है। हाल ही में केंद्रीय उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा की गई स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को स्टार्टअप्स ईको सिस्टम के विकास के लिए एस्पायरिंग लीडर के रूप में सम्मानित किया है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कई सराहनीय पहल की गई है। जिनमें स्टार्टअप पॉलिसी की स्थापना, स्टार्टअप्स के लिए करों में छूट और अनुदान का प्रावधान, इन्क्यूबेटर्स की स्थापना और उनका उन्नयन प्रमुख पहल है। इन्क्यूबेटर्स के माध्यम से स्टार्टअप्स के लिए को-वर्किंग स्पेस, मेटरशिप, फंडिंग और प्रौद्योगिकी सपोर्ट के प्रावधान किए गए हैं।

उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 177 एमओयू किए हैं। जिसमें 89 हजार 597 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश प्रस्तावित है, इनमें से 90 से अधिक इकाईयों ने उद्योग स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जबकि 11 इकाईयों ने व्यवसायिक उत्पादन प्रारम्भ कर दिया है, जिसमें 1513 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश एवं राज्य के 2 हजार 515 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। राज्य की औद्योगिक इकाईयों को 423.15 करोड़ स्थायी पूंजी निवेश अनुदान की राशि राशि प्रदान किया गया है। राज्य की औद्योगिक इकाईयों को विगत साढ़े तीन सालों में राशि रू. 140.97 करोड़ ब्याज अनुदान राशि प्रदान की गई है।

नवीन फूडपार्क की स्थापना के लिए 146 विकासखण्डों में से 112 विकासखण्डों में भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है और चिन्हांकित विकासखण्डों में से 52 विकासखंडों में शासकीय भूमि का हस्तांतरण आदेश भी जारी किया जा चुका है। अब तक कुल 10 नवीन फूडपार्क के स्थापना की स्वीकृति दी जा चुकी है। जिसमें से सुकमा जिले के ग्राम सुकमा में 5,900 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर फूडपार्क की स्थापना के लिए अधोसंरचना विकास कार्य पूरा किया जा चुका है, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर फूडपार्क तैयार किया जाएगा। राज्य सरकार एथेनाल प्लांट की स्थापना को भी प्रोत्साहित कर रही है। कवर्धा जिले में जल्द ही कृषि आधारित एथेनाल प्लांट की शुरुआत होगी, जहां गन्ने से एथेनाल बनाया जाएगा। सरकार ने औद्योगिक नीति 2019-24 में उच्च प्राथमिकता उद्योगों की श्रेणी में एथेनाल प्लांट की स्थापना को शामिल किया गया है, जिसे सामान्य उद्योगों से 10 प्रतिशत अधिक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन प्राप्त होंगें। प्लांट्स की स्थापना से क्षेत्रीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक समृद्धि का आधार बनेगा।

विभिन्न सेक्टरो में उद्योगों को मिल रहा बढ़ावा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य में विभिन्न सेक्टरो में उद्योगों को न केवल बढ़ावा मिल रहा है बल्कि प्रदेश में औद्योगिक विकास की संभावनाओं को गति और उद्योग से जुड़े हर सेक्टर में नवाचार को प्रोत्साहन भी मिल रहा है। प्रदेश में विगत पौने चार सालों में कुल 2 हजार 2 सौ 18 औद्योगिक इकाईयां स्थापित हुई हैं, जिनमें 21 हजार 4 सौ 57.29 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। इन उद्योगों में अब तक 40 हजार 3 सौ 24 लोगों को नियमित रोजगार का जरिया मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों के कारण प्रदेश में जहां नए-नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं वहीं शहरों के साथ-साथ गांवों में भी बदलाव की नई बयार आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसंस्करण की लघु इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, स्थानीय उपलब्धता के आधार पर प्रसंस्करण, पैकेजिंग की सुविधा भी दी जा रही है, जिसका लाभ उद्योग और व्यापार जगत को भी मिल रहा है। अब तक प्रदेश में 4 सौ 86 खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित हुई हैं, जिनमें 930 करोड़ 88 लाख रुपए के पूंजी निवेश के साथ ही 4 हजार 635 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है।

सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी के नेतृत्व में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने समाज के पदाधिकारियों से आरक्षण के संबंध में चर्चा करते हुए भरोसा दिलाया कि आदिवासियों का हक हर हाल में उन्हें मिलेगा। उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। आदिवासियों के हक को सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार हमेशा प्रयास करते रहेगी। मुलाकात के दौरान सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश अध्यक्ष भरत सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

प्रेम और सेवा से घर बनता है स्वर्गः राष्ट्रसंत ललितप्रभ

रायपुर। ललितप्रभ महाराज ने कहा कि इंसान का स्वर्ग किसी आसमान या नरक किसी पाताल में नहीं वरन घर में ही होता है। जिस घर में प्रेम और सेवा है वह घर स्वर्ग है और जहां स्वार्थ और अहंकार है वह घर नरक है। उन्होंने कहा कि राम का दिनभर जाप करना सरल है, पर राम के त्याग और मयार्दा को जीना उससे हजार गुना ज्यादा अर्थपूर्ण है। घर, मकान और परिवार की परिभाषा देते हुए उन्होंने कहा कि ईंट, चूने, पत्थर से मकान का निर्माण होता है घर का नहीं। जहां केवल बीबी-बच्चे रहते हैं वह मकान घर है, जहां माता-पिता, भाई-बहन आदि सभी मिलजुल के रहते हैं वह घर घर नहीं परिवार है। उन्होंने कहा कि अगर सातों वारों को सार्थक करना है तो आठवें वार परिवार को सार्थक बनाएं। अगर परिवार में वार चलता रहेगा तो सातों वार बिगड़ जाएंगे। संत प्रवर रविवार को सकल जैन समाज पश्चिम द्वारा समता चौबे कॉलोनी स्थित मेक कॉलेज आडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय प्रवचन माला के समापन पर श्रद्धालु भाई बहनों को संबोधित कर रहे थे।

कृषि महाविद्यालय रायपुर रहा ओवरऑल चौंपियन

पूर्वी क्षेत्र अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर्महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय रायपुर ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन का खिताब जीता। दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केंद्र भाटापारा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 22 सितम्बर से 25 सितम्बर के मध्य खेली गई। जिसमें राज्य के पूर्वी क्षेत्र के 11 महाविद्यालयों के 305 छात्र-छात्रा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस चार दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन समारोह इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कुलपति डॉ. चंदेल ने मौके पर सभी विजेताओं को शील्ड और प्रमाण पत्र का वितरण किए। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पूर्वी क्षेत्र अन्तर्महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केंद्र भाटापारा, कृषि महाविद्यालय, गरियाबंद, कृषि महाविद्यालय, महासमुंद, कृषि महाविद्यालय मर्रा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, सांकरा, दंतेश्वरी कृषि महाविद्यालय, रायपुर, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर, बीआरएसएम कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, मुंगेली एवं कृषि महाविद्यालय रायपुर के 182 छात्र और 122 छात्रा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. केएल नन्देहा, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने की। इस अवसर पर अतिथि के रूप में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ. एके वर्मा, संचालक विस्तार सेवाएं, डॉ. विनय पांडेय, अधिष्ठाता, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी तथा डॉ. एके दवे, अधिष्ठाता, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर मुख्य रूप से उपस्थित रहें। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ पी के सांगोड़े, डॉ पी एल जॉनसन एवं डॉ अशुलाता कौशल ने किया और कार्यक्रम के अंत में डॉ. जीके श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

डीएमएफमद की राशि खनन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावित जिलों के साथ ही नवगठित जिलों में प्राथमिकता के साथ की जाएगी आवंटितः सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में उनके निवास कार्यालय में खनिज न्यास मद की राज्य स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री ने डीएमएफ मद से उच्च और सामान्य प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए मितव्ययिता पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जिले में आयोजित होने वाले मेला आदि समारोह में डीएमएफ की राशि का उपयोग नहीं किया जाए। इस बैठक में डीएमएफ मद के आय-व्यय के सोशल ऑडिट के लिए राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ का गठन भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज मद की राशि का आवंटन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावित जिलों में निर्धारित अनुपात के आधार पर किया जाए। इसमें नवगठित 5 जिलों के लिए भी राशि का आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधी उपकरणों की खरीदी के लिए विभागीय बजट का उपयोग किया जाए। इसके लिए डीएमएफ मद का उपयोग ना हो। उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों के लिए इस मद से उपकरणों की खरीदी की अनुमति रहेगी। इसी प्रकार खनिज न्यास मद से कार्यालयीन उपयोग के लिए वाहनों की खरीदी प्रतिबंधित रहेगी, लेकिन स्वास्थ्य जैसी अति आवश्यक सेवाओं के लिए एंबुलेंस और शव वाहन खरीदे जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि गरियाबंद जिले के हीरा खदान में न्यायालय द्वारा लगाए स्टे आर्डर को वापल लेने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि वहां के हीरा खदान विधिवत रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पिछली बैठक के निर्देश में किए गए कार्य और व्यय का अनुमोदन भी किया।

मुख्यमंत्री के सचिव कोमल सिद्धार्थ सिंह परदेशी ने जानकारी दी कि जिला खनिज न्यास के गठन से लेकर अब तक 70 हजार कार्यों के लिए 10 हजार करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। जिसमें से 43 हजार कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविंद्र चौबे, वन एवं परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

एक अक्टूबर से शुरू होगा सलमान का बिग बॉस 16, मेकर्स ने की घोषणा

काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे बिग बॉस 16 का प्रसारण अक्टूबर में शुरू होगा। इस बार फिर शो को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। अब मेकर्स ने शो के प्रीमियर डेट पर अपनी मुहर लगा दी है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मेकर्स ने घोषणा की है कि बिग बॉस 16 का प्रसारण 1 अक्टूबर से शुरू होगा। एक प्रोमो शेयर किया गया है, जिसमें सलमान खान दर्शकों से मुखातिब होते नजर आए हैं।

बिग बॉस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर प्रीमियर डेट का ऐलान किया है। बिग बॉस ने अपने ट्वीट में लिखा, हर रूल को करके ब्रेक, आ रहे हैं बिग बॉस लेने अच्छे-अच्छों का केस। देखिए बिग बॉस 16 एक अक्टूबर से। फर्स्ट डे और फर्स्ट शो रात 9:30 बजे सिर्फ कलर्स पर। इस शो के प्रोमो में पूर्व प्रतिभागी सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल को भी दिखाया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, शिविन नारंग का नाम बिग बॉस 16 के लिए तय हो चुका है। शो के पिछले सीजन में भी उनके शामिल होने की चर्चा चली थी। टीवी अभिनेत्री कनिका मान इस शो की शोभा बढ़ा सकती हैं। खतरों के खिलाड़ी 12 में नजर आ चुकीं जन्नत जुबैर का नाम भी इस शो से जोड़ा जा रहा है। मान्या सिंह, मदिराक्षी मंडल, प्रकृति मिश्रा, शालीन

भनोत और टीना दत्ता जैसे सेलेब्स शो का हिस्सा बन सकते हैं।

पिछले साल पहले बिग बॉस का प्रसारण ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर किया गया था। इसके बाद शो को कलर्स चैनल पर शुरू किया गया था। इस बार शो के ओटीटी संस्करण का प्रसारण नहीं हुआ। बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन की विजेता अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल बनी थीं। बाद में जब टीवी पर शो का प्रसारण हुआ, तो तेजस्वी प्रकाश ने बिग बॉस 15 का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले रुबीना दिलैक बिग बॉस 14 की विजेता बनी थीं।

बिग बॉस का प्रसारण काफी समय से कलर्स चैनल पर हो रहा है। यह शो अमेरिकी टीवी रियलिटी शो बिग ब्रदर के प्रारूप का अनुसरण करता है। बिग बॉस का पहला सीजन 2006 में आया था। सलमान बिग बॉस 4 से इस शो को होस्ट कर रहे हैं। इस शो के पहले सीजन के होस्ट अभिनेता अरशद वारसी थे। दूसरा सीजन अभिनेत्री शिल्पा ने होस्ट किया था। तीसरे सीजन के होस्ट अमिताभ बच्चन थे।

भले बिग बॉस लोकप्रिय शो रहा है, लेकिन कई टीवी कलाकारों ने इस शो का ऑफर ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो दिव्यांका त्रिपाठी, अर्जुन बिजलानी, मुनमुन दत्ता, अध्ययन सुमन और आदित्य नारायण जैसे सेलेब्स ने शो के लिए अपनी हामी नहीं भरी।

ट्यूब टॉप में कचनार की कली लग रहीं अवनीत

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी कातिलाना अदाओं से किसी को भी अपना दीवाना बना लेती हैं। वहीं, उनका रेड श्रग और व्हाइट ट्यूब टॉप में लुक बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रहा है। फैंस उनकी फोटोज का इंतजार बेसब्री से करते हैं। साथ ही फैंस उनकी तस्वीरों पर अपना जमकर प्यार लुटाते हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर रेड श्रग, व्हाइट ट्यूब टॉप और ब्लू जींस में बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। अवनीत कौर इस आउटफिट में जमकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनके फिगर को देखकर फैंस जबरदस्त आहें भर रहे हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर का अपनी बलखाती कमर से फैंस को मदहोश कर रही हैं। अवनीत जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं। साथ ही कॉमेंट्स के साथ रिएक्शंस भी देते हैं। न्यूड मेकअप, लॉन्ग ईयररिंग्स और साइनी हेयर स्टाइल में एक्ट्रेस को देखकर फैंस का खुद पर काबू रखना मुश्किल हो रहा है। जल्द ही अवनीत कौर लीजेंड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' फिल्म में दिखाई देंगी। एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टा पर 32.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए लगातार वीडियो या फोटो शेयर करती रहती हैं। अवनीत कौर की कातिलाना अदाएं देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

खतरों के खिलाड़ी 12 से बाहर हुई कनिका मान

रोहित शेट्टी का स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बना हुआ है। इस के स्टंट्स ने सभी को हैरान कर दे रख दिया है। अब जल्द ही शो को अपना विजेता मिलने वाला है, जिसका फैंस को काफी लंबे समय से इंतजार था। इस शो के ग्रैंड फिनाले में 6 कंटेस्टेंट्स ने अपनी जगह बनाई थीं, जिसमें टीवी एक्ट्रेस दिलैक सहित 5 अन्य स्टार्स भी है। लेकिन इसी बीच खबर आ रही है कि शो से एक कंटेस्टेंट बाहर हो गया है। तो चलिए जानते है इस बार किसको रोहित शेट्टी के शो से बाहर का रास्ता देखना पड़ा है।

टीवी का इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला शो खतरों के खिलाड़ी 12 जिसे रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे है, वो एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस शो एक और कंटेस्टेंट को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इस बार

एलिमिनेशन स्टंट कनिका मान और जन्नत जुबैर के बीच हुआ। कनिका मान समय पर एलिमिनेशन स्टंट पूरा नहीं कर पाई और उन्हें शो से हार होना पड़ा। ग्रैंड फिनाले में 6 कंटेस्टेंट्स पहुंचे थे, लेकिन अब कनिका मान के बाहर जाने के बाद टॉप 5 की लिस्ट जारी हो गई है। इस लिस्ट में जन्नत जुबैर, रुबीना दिलैक, तुषार कालिया, मोहित मलिक और फैजल शेख हैं।

रश्मिका मंदाना ने गोविंदा संग लगाए सामी-सामी पर ठुमके

साउथ फिल्म अदाकारा रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी फिल्म गुडबाय के जमकर प्रमोशन में बिजी हैं। हाल ही में अदाकारा रश्मिका मंदाना का एक वीडियो इंटरनेट की दुनिया में तहलका मचा रहा है। इस वीडियो में अदाकारा रश्मिका मंदाना बॉलीवुड स्टार गोविंदा के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा के सुपरहिट गाने सामी-सामी पर थिरकती दिख रही हैं। इस वीडियो में फिल्म स्टार गोविंदा भी अदाकारा रश्मिका मंदाना के इस गाने पर झूमते दिख रहे हैं। दरअसल ये वीडियो जीटीवी पर प्रसारित होने वाले डांसिग रियलिटी शो डीआईडी सुपरमॉम्स का है। जहां अदाकारा रश्मिका मंदाना पहुंची है। इस टीवी रियलिटी शो के सेट पर अदाकारा रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड स्टार गोविंदा के साथ ढेर सारी मस्ती की है। ये एपिसोड 25 सितंबर रात 9 बजे प्रसारित किया जाना था। रश्मिका मंदाना इस शो में अपनी फिल्म गुडबाय के प्रमोशन के लिए पहुंची हैं।

14 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म कोड नेमः तिरंगा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और मशहूर पंजाबी गायक हार्डी संधू की जोड़ी जल्द आपको नजर आने वाली है। जी दरअसल इन दोनों को आप फिल्म कोड नेमः तिरंगा में देखने वाले हैं जो जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। टी-सीरीज, रिलायंस एंटरटेनमेंट, फिल्म हैंगर और फिल्म निर्माता रिभु दासगुप्ता की इस अगली फिल्म की रिलीज डेट जारी कर दी गई है। जी दरअसल खबर है कि यह फिल्म अगले महीने 14 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने जा रही है। वहीं इस फिल्म की रिलीज को लेकर फिल्ममेकर रिभु दास गुप्ता काफी उत्साहित है।

आपको बता दें कि फिल्म की रिलीज डेट का एलान करते हुए उन्होंने कहा कि, मुझे अपनी अगली फिल्म कोड नेमः तिरंगा की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह एक्शन एंटरटेनर पसंद आएगी, जो देश के लिए अपना कर्तव्य निभाने वाले एक

सैनिक के बलिदान पर आधारित है। अब अगर हम फिल्म की बात करें तो कोड नेमः तिरंगा एक जासूस की कहानी है, जो अपने राष्ट्र के लिए एक अडिग और निडर मिशन पर है। इस फिल्म में एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

दूसरी तरफ हार्डी संधू भी दमदार अंदाज में नजर आएंगे। फिल्म में शरद केलकर, रजित कपूर, दिब्येंदु भट्टाचार्य, शिशिर शर्मा, सब्यसाची चक्रवर्ती और दीश मारीवाला जैसे अनुभवी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म कोड नेमः तिरंगा गुलशन कुमार, टी-सीरीज फिल्म और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया है और इसका निर्माण भूषण कुमार, रिलायंस एंटरटेनमेंट, फिल्म हैंगर और विवेक बी अग्रवाल द्वारा किया गया है।

ब्रह्मास्त्र का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 400 करोड़ के पार

9 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी फिल्म ब्रह्मास्त्र ने 230 करोड़ रुपये से ज्यादा का का कारोबार कर लिया है। अब तीसरे हफ्ते में भी इसकी कमाई शानदार बनी हुई है। शुक्रवार को नेशनल सिनेमा डे वाले दिन करीब 13 लाख लोगों ने थिएटर्स में ब्रह्मास्त्र देखी है। दरअसल, मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 23 सितंबर, शुक्रवार को नेशनल सिनेमा डे मनाया और देशभर की 4000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर हर फिल्म का टिकट 75 रुपये का रहा। इसका सबसे ज्यादा फायदा ब्रह्मास्त्र को हुआ। फिल्म ने 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया। अब शनिवार की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है। फिल्म ने करीब 5.70 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है। इसके साथ ही ब्रह्मास्त्र का टोटल कलेक्शन अब 247 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

वहीं, फिल्म की वर्ल्डवाइड रिपोर्ट की बात करे तो यह आंकड़ा 400 करोड़ रुपये को पार कर गया है। ब्रह्मास्त्र का वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब करीब 403 करोड़ रुपये हो चुका है। शनिवार का कलेक्शन मिलाकर ब्रह्मास्त्र ने भारत में ही 298 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया।

ब्रह्मास्त्र की ऑनलाइन एडवांस बुकिंग के आंकड़े बताते हैं कि रविवार के लिए फिल्म के एक लाख से ज्यादा टिकट बुक हो चुके हैं। इस बुकिंग से रविवार का ग्रॉस कलेक्शन 2.50 करोड़ से ज्यादा है। शनिवार के 2.40 करोड़ की तुलना में ये थोड़ा ज्यादा है और ट्रेंड कहता है कि शनिवार की तुलना में रविवार को थिएटर्स में वॉक-इन भी ज्यादा रहने वाली हैं। ये गणित बताता है कि शनिवार की तुलना में रविवार को फिल्म की कमाई बढ़ेगी और 250 करोड़ का आंकड़ा बड़ी आसानी से पार कर लेगी।

पुरानी सलवार से मिलेगा स्टाइलिश लुक

रतीय पारंपरिक कपड़ों में भी महिलाओं के पास कई विकल्प होते हैं। रोजमर्रा से लेकर कॉलेज, ऑफिस और पार्टी वियर में अधिकतर महिलाएं पारंपरिक कपड़ों में सलवार कुर्ता कैरी करती हैं। अधिकतर भारतीय लड़कियों और महिलाओं के वार्डरोब में सलवार सूट आसानी से मिल जाएंगे। सलवार सूट आरामदायक पोशाक होने के साथ ही आसानी से कहीं भी कैरी किया जा सकता है। घर पर रहने पर इसे साधारण कपड़ों की तरह तो बाहर स्टाइलिश और ट्रेडिशनल आउटफिट की तरह भी पहने मिल जाती हैं। अक्सर कुर्ते के साथ लड़कियां सलवार की जगह जींस, पैंट, प्लाजो को पहनकर अपने लुक और स्टाइल में बदलाव करती रहती हैं। ऐसे में कई बार लड़कियां की सलवार वार्डरोब में ऐसे ही रखी रह जाती है और पुरानी हो जाती है। लेकिन अगर आप अपनी पुरानी सलवार को दोबारा इस्तेमाल करना चाहते हैं तो यहां आपको कुछ स्टाइलिश टिप्स दिए जा रहे हैं। पुरानी सलवार को स्टाइलिश स्कर्ट में बदलने के टिप्स नोट कर लें।

सलवार से स्कर्ट बनाने के आसान टिप्स

सबसे पहले सही सलवार का चुनाव करें, जिसकी डिजाइन और प्रिंट स्कर्ट बनने पर अच्छी लग सकती है। अब सलवार को उल्टा करके अपनी नाप के हिसाब से चौक की मदद से निशान लगा लें। निशान के मुताबिक कुछ जगह छोड़ते हुए सलवार की कटिंग करें। अगले स्टेप्स में सलवार के कपड़ों को जोड़ते हुए सिलाई करनी है। टुकड़ों को एक साथ रखते हुए किनारों पर सिलाई मशीन से सिलाई कर लें। अगर आप कटिंग और सिलाई में अच्छे नहीं हैं तो किसी टेलर या बुटीक में भी अपनी डिजाइन के मुताबिक सलवार को स्कर्ट में बदल सकते हैं।

साधारण स्कर्ट

इन दिनों प्लीटेड स्कर्ट काफी ट्रेंड में है। ऐसे में अगर आपके पास साधारण सलवार है तो आप उसे प्लीटेड स्कर्ट में बदल सकते हैं। अपनी पुरानी सलवार के नीचे के हिस्से की सिलाई को खोल दें और ऊपर से सलवार की बेल्ट को अलग कर दें। अब सलवार के नीचे के दोनों हिस्सों को आपस में जोड़ते हुए फिटिंग के हिसाब से दोनों हिस्सों में सिलाई करा लें। ऊपर से भी सलवार की बेल्ट को स्कर्ट के मुताबिक जोड़ लें।

शॉर्ट स्कर्ट

कैजुअल से लेकर पार्टी वियर में शॉर्ट ड्रेस का चलन बढ़ा है। ऐसे में आप अपनी किसी प्रिंटेड सलवार या सिंपल प्लेन सलवार से शॉर्ट स्कर्ट डिजाइन करके उसे किसी भी मौके पर पहन सकते हैं। इसके लिए अपनी सलवार के ऊपर के हिस्से का इस्तेमाल करें। सलवार की बेल्ट से ही छोटी सी स्कर्ट आसानी से बना सकते हैं। लेस से डेकोरेट कर सकती हैं।

लंबे समय से अटकी थी अक्षय कुमार की फिल्म गोरखा, अगले साल मार्च में शुरू हो रही शूटिंग

अक्षय कुमार की फिल्म गोरखा लंबे समय से अटकी हुई है। इस फिल्म की पिछले साल घोषणा हुई थी। हालांकि, घोषणा होने के बाद फिल्म को लेकर कोई भी अपडेट नहीं आया। लोगों को लगने लगा था कि फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है। आखिरकार अक्षय के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर आई है। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल मार्च में शुरू हो जाएगी। यह फिल्म भारतीय सेना के गोरखा रेजिमेंट के अधिकारी इयान कार्डोजो की बायोपिक है।

फिल्म गोरखा के प्रोडक्शन का काम आनंद एल राय संभाल रहे हैं। यह अतरंगी रे और रक्षाबंधन के बाद आनंद और अक्षय का तीसरा कोलैबोरेशन है। अतरंगी रे पिछले साल डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। वहीं रक्षाबंधन इस साल अगस्त में रिलीज हुई थी। गोरखा

का निर्देशन संजय पूरन सिंह करेंगे। संजय ने पिछले साल फिल्म बहत्तर हूरें के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था।

रिपोर्ट्स के अनुसार निर्माता शूटिंग शुरू होने से पहले आश्वस्त होना चाहते हैं कि फल्म हकीकत के ज्यादा से ज्यादा करीब हो। वह इसके लिए हर तरह की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक पर्दे पर जिस तरह से युद्ध दिखाए गए हैं, इस फिल्म में युद्ध का चित्रण उनसे बिल्कुल अलग होगा। निर्माता इयान के किरदार को पर्दे पर बखूबी दिखा सकें, इसके लिए वे ज्यादा से ज्यादा रिसर्च करना चाहते हैं।

इयान कार्डोजो एक पूर्व भारतीय सेना अधिकारी हैं। उन्होंने 1962, 65 और 71 में भारत-पाक युद्ध में हिस्सा लिया था। वह एक बटालियन और एक ब्रिगेड की कमान संभालने वाले भारतीय सेना के पहले युद्ध-विकलांग अधिकारी बने थे। भारत-पाक युद्ध में घायल होने के कारण कार्डोजो को अपना पैर काटना पड़ा था। कार्डोजो ने 2005 से 2011 तक भारतीय पुनर्वास परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है।

गोरखा के अलावा अक्षय कुमार कई प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं। उनकी फिल्म राम सेतु अकसर सुर्खियों में रहती है। इस फिल्म में उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस नजर आएंगी। अक्षय मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की हिंदी रीमेक सेल्फी में नजर आएंगे। 1998 की फिल्म छोटे मियां बड़े मियां की रीमेक में अक्षय टाइगर श्रॉफ के साथ दिखेंगे। वह ओह माई गॉड के सीक्वल में भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी नजर आएंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

समूहरत्न राम की स्मृति में महुवाटोली आश्रम में आयोजित हुआ भण्डारा

भिलाई। समवर्ती समूह के संस्थापक संचालक अवधूत बाबा समूहरत्न राम के अघोरेश्वरलोक गमन हो जाने पर आश्रम परिसर में उन्हे अंतिम विदाई दी गई थी। उनके अंतिम विदाई के निर्धारित विधान के अनुसार रविवार को एक श्रद्धांजलि संकल्प सभा का क्रीं कुण्ड शिवाला वाराणसी के पीठाधीश्वर अघोराचार्य बाबा सिद्धार्थ गौतम रामजी के पावन निर्देशन एवं उपस्थिति में आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि संकल्प सभा में श्रद्धालु भक्तजनों, शिष्यगणों एवं शरीर के संबंधियों के द्वारा अघोरेश्वरलोकगामी परमपूज्य अवधूत बाबा समूहरत्न रामजी के व्यक्तित्व एवं साधु जीवन की यात्रा पर प्रकाश डालकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अल्प समय में अघोर पद्धति में उल्लेखनीय प्रतिष्ठा अर्जित करने के साथ कई आश्रमों की स्थापना के माध्यम से लोक सेवा में कार्यरत रहे बाबाजी की प्रसिद्धि महुवाटोली वाले औघड़ बाबा के नाम से थी। समाज के सभी वर्ग के लोग उनके अनुयायी एवं श्रद्धालु थे। अपने सरल स्वभाव के कारण बहुत अल्प समय में ही उन्होने आश्रमों के विकास के साथ प्रसिद्धि के बड़े मुकाम को प्राप्त किया था।

कलेक्टर ने किया विभागीय विकास कार्यों की समीक्षा

जगदलपुर। कलेक्टर चंदन कुमार ने विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा किया। रविवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा हाल में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने संभागीय सी-मार्ट के संचालन हेतु की जा रही तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा विभिन्न समाजों को दी जाने भूमि-भवनों की प्रगति का भी समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कलेक्टर कॉनफ्रेंस के एजेंडा और मुख्यमंत्री की घोषणाओं में विभागों को त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।साथ ही बस्तर दशहरा की आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत रोहित व्यास, अपर कलेक्टर हरेश मंडावी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राउंड टेबल इंडिया ने दिव्यांगों का सफर किया आसान

मुफ़्त में दी गई 25 से ज़्यादा ट्राई साइकिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राउंड टेबल इंडिया की टीम ने रायपुर शहर जे जरूरतमंद दिव्यांगों का सफ़र आसान करने के लिए एक मुहिम चलाई है। इस मुहिम के तहत शनिवार को संस्थान द्वारा अब जरूरतमंद दिव्यांग व्यक्तियों को मुफ्त में ट्राई साइकिल दिया गया। रायपुर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे के मुख्यातिथ्य में संस्था की तरफसे 25 से भी ज़्यादा ट्राई साइकिल दिव्यांगों को दिए।

अपने सफ़र के लिए एक संसाधन मिलने पर दिव्यांगों के चेहरे से खुशी साफ्तौर पर झलक रही थी। इस आयोजन में संयुक्त रूप से रॉयल राउंड टेबल 169, रॉयल राउंड टेबल 241, रॉयल राउंड टेबल 312, रॉयल राउंड टेबल 317 और लेडीज़ सर्कल इंडिया ने भी अपना सहयोग दिया। ट्राई साइकिल वितरण के दौरान कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे ने भी संस्था के इस कार्य की प्रशंशा करते हुए कहा समाज के ग़रीब और जरूरतमन्द तपके के राउंड टेबल इंडिया द्वारा किए जा रहे कार्य बेहद सराहनीय है। गरीब बच्चों की शिक्षा दीक्षा के साथ ही जरुतमन्दों की मदद लगातार संस्थान के लोग कर रहे है। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूँ। राउंड टेबल इंडिया के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे यहाँ कई दिव्यांग ऐसे है, जो ट्राई साइकिल भी खरीद नहीं पाते। ऐसे जरुरतमंद लोगों को हम राउंड टेबल इंडिया की तरफ से ट्राई साइकिल देकर, उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाने में एक छोटा सा प्रयास किया है।

राउंड टेबल इंडिया के पदाधिकारियों ने आगे बताया कि फ़िलहाल इसकी शुरुआत हमने अपने शहर रायपुर से की है, जहां आज शहर के तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राइव) में 25 से भी ज़्यादा दिव्यांगों को नि:शुल्क ट्राई साइकिल का वितरण किया है। आने वाले समय में हम और भी वृहद स्तर पर इस तरह के आयोजन करने की तैयारी करेंगे। गौरतलब है कि राउंड टेबल इंडिया के द्वारा गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए बन रहे स्कूल में भी चैरिटी की जा रहीं है।

बीएसपी के नेहरू आर्ट गैलरी में खैरागढ़ के विद्यार्थियों की लगी पेंटिंग प्रदर्शनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के मास्टर ऑफफाइन आटस् (एमएफए) के 18 विद्यार्थियों द्वारा निर्मित पेंटिग्स की समूह प्रदर्शनी का आयोजन 21 से 23 सितम्बर, 2022 तक किया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन स्टील ऑथोरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड 'सेल' के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत पांडे के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 21 सितंबर 2022 को संध्या 6 बजे सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि विनीत पांडे ने प्रदर्शनी में लगे चित्रकारी का बड़े ही अभिरूचिपूर्वक अवलोकन किया और चित्रकारों के कला की प्रषंसा की। इस अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ए सी राठी, महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वय सत्यब्रत कर व संदीप गुप्ता सहित अन्य सतर्कता विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सेल के विभिन्न इकाइयों के कुछ सतर्कता विभाग के प्रमुख भी उपस्थित थे। यह प्रदर्शनी दिनांक 21 से 23 सितम्बर, 2022 तक प्रतिदिन संध्या 5.30 से 8.30 बजे तक जनता के अवलोकनार्थ खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के मास्टर ऑफ फाइन आटस् (एमएफए) के विद्यार्थियों द्वारा पेंटिंग के विभिन्न स्टाइलों में बनी कलाकृतियां प्रदर्शित की गयी है। इन कृतियों में रंगों और विषयों का अद्भुत संयोजन देखने को मिला।

इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के मास्टर ऑफ फाइन आटस् (एमएफए) अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं रुपेश्वरी चंदेल, शिवानंद गंधर्व, दिसी ठाकुर, लोकेश कुमार साहू, शिवा साहू, खुशबू गुप्ता, इतिशा जैन, निकिता हनुमंते, नेहल वैष्णव, श्राची जैन, चित्रा कुमारी नेताम, पूजा दास, योगेश सिंह राजपूत, निकिता साहू, राधिका चैहान, जीवेश कुमार साहू, निकिता नामदेव और काजल वर्मा द्वारा बनाए गए चित्रों को इस प्रदर्शनी में लगाया गया है। इस प्रदर्शनी में कलाकारों द्वारा निर्मित कुल 36 कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही है। इस प्रदर्शनी की मुख्य अतिथि 'सेल' के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत पांडे ने भूरि-भूरि प्रशंसा की और कलाकारों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शहर के कलाप्रेमियों के साथ-साथ जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष व महाप्रबंधक (संपर्क प्रशासन एवं जनसम्पर्क) जेकब कुरियन, महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) प्रशान्त तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक (जनसम्पर्क) जवाहर बाजपेयी तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

पेंटिंग प्रदर्शनी विभिन्न स्टाइलो में बनी पेंटिंग से बनी कला कृतियां दर्शक कुछ ना कुछ पेंटिंग के माध्यम से संदेश दे रही है 18 कलाकारों के द्वारा पेंटिंग को सुंदर रंगो और अपनी मेहनत से बनाया गया है शिवानंद की पेंटिंग दर्शकों को पसंद आ रही है निकिता नामदेव अपनी कलाकृति विशेष रुप से पेंटिंग जो बनाना है दर्शकों की पहली पसंद है इस अवसर पर आर्टिस्ट ललित दुबे फॉरेस्ट ऑफिसर महापात्रा सर सैल्यूट तिरंगा प्रशांत कुमार शिरसागर संतोष पाराशर राजेंद्र सुन ग रिया गुड्डू ठेठवार फोटोग्राफर कलाप्रेमी गणमान्य नागरिक इस पेंटिंग प्रदर्शनी में उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की सार्थक पहल लाई रंग

अब खनन प्रभावित क्षेत्र के बच्चे अंग्रेजी माध्यम से कर सकेंगे स्कूली शिक्षा पूरी

अगले सत्र से आरवीयूएनएल साल्ही में शुरू करेगा हायर सेकेण्डरी की पढ़ाई

ग्रामीणों की बरसो पुरानी मांग हुई पूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के पहल से उदयपुर विकासखंड के खनन प्रभावित क्षेत्र के बच्चे अब सीबीएसई बोर्ड की अंग्रेजी माध्यम से पूरी स्कूली शिक्षा पा सकेंगे। 10 वी के बाद आगे की पढ़ाई के लिए अन्यत्र भटकना नही पड़ेगा। बरसो पुरानी मांग पूरी होने से खनन प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी छाई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के पहल पर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उदयपुर के परसा ईस्ट -केते - बासेन के कोयला खनन प्रभावित ग्राम साल्ही में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के द्वारा संचालित सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम स्कूल में अगले शिक्षा सत्र 2023 से 11वी एवं 2024 से 12 वी की पढाई शुरू हो जाएगी। इस सबन्ध में आरवीयूएनएल के द्वारा मंजूरी देते हुए कलेक्टर को अवगत कराया गया है। ज्ञातव्य है कि उदयपुर विकासखण्ड के परसा ईस्ट-केते-बासेन में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन लिमिटेड के द्वारा कोयला उत्पादन किया जा रहा है। कंपनी द्वारा कोयला खनन प्रभावित ग्राम साल्ही में कक्षा पहली से 10 वी तक सीबीएसई बोर्ड की अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित किया जा रहा है जहां खनन प्रभावित परिवार के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है। इस स्कूल से 10 वी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अंग्रेजी माध्यम से हायर सेकेण्डरी की पढ़ाई के लिए विद्यर्थियों को भटकना पड़ता है। खनन प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों ने इस स्कूल में हायर सेकेण्डरी कक्षा शुरू करने के लिए जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा था। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस स्कूल में हायर सेकेण्डरी की कक्षाएं शुरू करने हेतु पहल करते हुए आरवीयूएनएल के अधिकारियों को तत्काल अवश्यक कार्यवाही करने कहा था। क्षेत्र में विकास के कार्य हेतु रोड मैप तैयार करने लगातार समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

रेलवे के सहयोग से कोल संकट से उबरने का प्रयास जारी, कुछ ही दिन में स्थिति सामान्य होने की संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र में आयातित हार्ड कोकिंग कोल के स्टॉक में आई कमी के कारण पैदा संकट से निकलने के लिए भारतीय रेलवे की मदद से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोल की कमी को दूर करने के लिए व्यस्त रेलमार्ग के बावजूद कोकिंग कोल रैक को प्राथमिकता के साथ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए भिलाई इस्पात संयंत्र और भारतीय रेलवे के अधिकारी निरन्तर संपर्क बनाए हुए है और कोल के स्टॉक को पर्याप्त बनाने की कोशिश की जा रही है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में विगत कुछ दिनों से आयातित हार्ड कोकिंग कोल की उपलब्धता में कमी आने से उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ था और कोक ओवन में कोक की पुशिंग को कम करना पड़ा था। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय रेलवे की मदद से विशाखापट्टनम बंदरगाह से आयातित हार्ड कोकिंग कोल की निरन्तर लोडिंग की जा रही है और व्यस्तम रेलमार्ग होने के बावजूद प्राथमिकता के साथ रैक को भिलाई पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विगत दो-तीन दिनों में कोकिंग कोल के स्टॉक की स्थिति में क्रमश: सुधार नजर आ रहा है और आगामी चन्द दिनों में स्थिति बेहतर होने की संभावना लग रही है। संयंत्र और रेलवे के संयुक्त प्रयास से इस संकट से उबरने का भरसक प्रयास किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया में आयातित हार्ड कोकिंग कोल का उपयोग महत्वपूर्ण है। भारतीय कोकिंग कोल के साथ मिलाकर कोक ओवन में गर्म कर कोक का निर्माण किया जाता है और इस कोक एवं सहायक उत्पाद के रूप में प्राप्त गैसों का इस्पात उत्पादन में विशेष भूमिका है। संयंत्र में आयातित कोल के स्टॉक में कमी के कारण कोक ओवन में कोक पुशिंग और ब्लास्ट फर्नेस में कोक की आपूर्ति एवं अन्य मिलों की फर्नेसों में गैस आपूर्ति पर प्रभाव पड़ा था।

भारतीय रेलवे के सहयोग से पिछले दो दिनों में भिलाई को विशाखापट्टनम बंदरगाह में एकत्र आयातित हार्ड कोकिंग कोल को लोड कर भिलाई पहुंचाया जा रहा है। पूर्व की तुलना में आयातित कोकिंग कोल के स्टॉक में क्रमश: सुधार आ रहा है। कोक की उपलब्धता के साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि आगामी दिनों में पर्याप्त मात्रा में कोल रैक की आपूर्ति हो जाएगी और वर्तमान स्थिति बेहतर एवं उत्पादन को सामान्य कर दिया जाएगा।

संकेत साहित्य समिति का स्थापना दिवस सम्पन्न

रायपुर। ग्यारह सितंबर उन्नीस सौ इक्यासी में गठित संकेत साहित्य समिति का इकतालीसवाँ स्थापना दिवस बैस भवन रायपुर में रविशंकर विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो.केशरी लाल वर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। भाषा विद् एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.चितरंजन कर ,वरिष्ठ साहित्यकार अमरनाथ त्यागी , बलदाऊ राम साहू एवं डॉ.सुधीर शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती पूजन उपरांत समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने समिति की इकतालीस वर्षों की यात्रा एवं भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो.केशरी लाल वर्मा ने संकेत साहित्य समिति की लंबी यात्रा के लिए बधाई तथा उसे सृजन की कार्यशाला निरुपित किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा चंडी शीतला मंडल ने लगाया चिकित्सा शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भाजपा के प्रेरणास्त्रोत व एकात्म मानववाद के प्रणेता पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती पर आज भाजपा चंडी शीतला मंडल द्वारा महाराणा प्रताप भवन शंकर नगर में विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

जिसमें शंकराचार्य जुनवानी मेडिकल कालेज विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने बड़ी संख्या में शिविर में पहुँचे मरीजो का नि:शुल्क जांच कर आवश्यक दवा उपलब्ध कराया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस से भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पंडित दीनदयाल जयंती पर मंडल भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर चन्द्राकर के नेतृत्व में आयोजित स्वास्थ शिविर सुबह 11 बजे से प्रारम्भ हुआ जिसमें शंकराचार्य हॉस्पिटल के डॉ. राहुल गुलाटी एवं मानसी गुलाटी के नेतृत्व में डाक्टरों की टीम द्वारा सभी प्रकार की आम बीमारी की जाँच और दवाइयों का मुफ़्त वितरण किया गया साथ ही चिकित्सा शिविर में आये हितग्रहियों का मुफ़्त परामर्श एवं दवाईयों का वितरण किया गया साथ ही पंजीकृत मरीजो को भविष्य में भी शंकराचार्य हॉस्पिटल में नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर आयेजित चिकित्सा शिविर में ज़िला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, ज़िला महामंत्री ललित चन्द्राकर, ज़िला कार्यक्रम प्रभारी कांतिलाल बोथरा, आर्थिक प्रकोष्ठ के सह संयोजक शिव चन्द्राकर,ज़िला मंत्री दिनेश देवांगन,ज़िला आई टी सेल संयोजक राजा महोबिया,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अजय तिवारी,प्रदेश महिला मोर्चा कार्यसमिति सदस्य बानी सोनी, ज़िला संयोजक अलका बाघमार,सुधा सिंह,ज़िला संयोजक जगदीश गुप्ता,कार्यक्रम प्रभारी मदन बढ़ाई,ज़िला आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक अनूप गटागट, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष शीतल जौंगिड सहित आदि लोग उपस्थित थे।

महिला प्रकोष्ठ ने वृद्धाश्रम में बांटे सामग्री

कोरबा। पितरों की सेवा को समर्पित पितृपक्ष के अवसर पर आज राष्ट्रीय ब्राह्मण संघ महिला प्रकोष्ठ कोरबा इकाई के द्वारा स्थानीय सर्वमंगला मंदिर स्थित वृद्धाश्रम में उपस्थित वृद्धजनों को दैनिक जीवन उपयोगी आवश्यक सामग्रियों का विवरण कर उनका हाल चाल पूछते हुए उनका सम्मान किया गया। सर्वप्रथम समाज की बहनों द्वारा आश्रम के केयर टेकर वीरू यादव के सानिध्य में समस्त वृद्धजनों को आश्रम के सेंट्रल हॉल में बैठाया गया तत्पश्चात उनका विधिवत सम्मान कर उन्हें दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं गमछा, तेल, साबुन, क्रीम तथा खाने पीने की चीज़ें प्रदान की गईं । इसके पश्चात समाज की बहनों द्वारा उपस्थित वृद्धजनों से उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं कुशल क्षेम पूछा गया।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

गुजरात राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, कोल्ड ड्रिंक में नशीली दवा पिलाकर वारदात को दिया अंजाम

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर की एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है।

पीड़िता ने थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि सहेली की शादी में आरोपित युवक से उसकी पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों की आपस में बातचीत होने लगी। बातचीत से दोनों काफी घुलमिल गए। इसी का फायदा उठाकर आरोपित युवक ने युवती को होटल में मिलने के लिए बुलाया। पीड़िता भी आरोपित पर विश्वास कर होटल में मिलने के लिए चली गई। होटल में आरोपित युवक ने युवती के लिए कोल्ड ड्रिंक आर्डर किया। इसी दौरान आरोपित ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर युवती को पिला दिया। नशीला कोल्ड ड्रिंक पीते ही थोड़ी देर बाद पीड़िता पर असर होने लगा। इसी बीच आरोपित ने इसका फायदा उठाकर युवती को अपनी हवस का शिकार बना लिया। नशीले कोल्ड ड्रिंक का असर कम होने के बाद पीड़ित युवती को आरोपित युवक की असलियत का पता चला। पीड़िता ने गंज थाना में आरोपित अबरार हिंगोरा के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई।

राजधानी में युवक की हत्या

कातिल ने चेहरे की खाल व आंखें नोची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में हत्या का एक खौफनाक मामला सामने आया है। रविवार को डीडी नगर क्षेत्र में एक युवक की लाश मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब लाश को देखा तो वे भी हैरान रह गए। कातिल ने युवक की न सिर्फ हत्या की थी बल्कि उसके चेहरा नोचकर उसकी आंखे तक निकाल ली थी। शुरूआती जांच के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार दिल दहला देने वाली यह घटना डीडी नगर थाना क्षेत्र में हाईवे पर स्थित एक कार शोरूम के पीछे की है। आसपास गुजरने वालों ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि यहां एक युवक की विभत्स लाश पड़ी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचानामा किया। युवक की पहचान सरोना भैंसथान निवासी चंदन यादव (25) के रूप में हुई। मृतक ऑटो चालक है और अपने भाई मनीष यादव के साथ रहता था।

कुछ दूरी पर मिला था ऑटो

डीडी नगर पुलिस ने बताया कि जहां लाश मिली वहीं से कुछ दूरी पर मृतक का ऑटो भी मिला। मृतक के ऑटों में खून के निशान मिले और कुछ दस्तावेज भी जिसके आधार पर यह पता चला कि युवक का नाम चंदन यादव हो सकता है। दस्तावेज में उसके भाई का संपर्क नंबर भी मिला। पुलिस ने उसके भाई मनीष को फोन कर घटना स्थल पर बुलाया। मनीष ने घटना स्थल पर पहुंचकर अपने भाई की शिनाख्त की। अब तक की जांच में यह पता चला कि चंदन पर भारी सामान से हमला किया गया। मौत के बाद धारदार हथियार से उसकी आंखे नोच ली गई।

शनिवार को निकलने के बाद वापस नहीं लौटा

डीडी नगर पुलिस के अनुसार मृतक चंदन यादव के संबंध में उसके भाई मनीष से पूछताछ करने वाल उसने बताया कि शनिवार को घर से निकलने के बाद वह नहीं लौटा। देर रात तक वापस नहीं आने पर उसके मोबाइल पर कॉल करने पर वह भी बंद मिला। मनीष ने बताया कि कभी कभी वह देर से आता था इस वजह से कहीं तलाश नहीं की थी। रविवार को उसकी मौत की खबर मिली। इधर इस मामले में पुलिस आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाल रही है और दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कारीआम जंगल में मिली युवक की लाश

24 घंटे के अंदर हत्या के चारों आरोपी गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (ए)। उत्तर प्रदेश के ड्राइवर की हत्या और लूट के मामले में एक नाबालिग समेत 4 आरोपियों को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपी मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले हैं। ड्राइवर की लाश गौरेला के कारीआम जंगल में रजमेलान नाले के पास मिली थी। उसके दोनों हाथ पीछे से बंधे हुए थे और सिर पत्थर से कुचला हुआ था। उसने गुलाबी चेक शर्ट पहनी हुई थी। मरने वाले ड्राइवर का नाम रमेश दास (45 वर्ष) था, जो एनसीएल खड़िया कॉलोनी थाना शक्ति नगर सोनभद्र उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। गौरेला थाने में शुक्रवार को फॉरेस्ट गार्ड बेलपत सत्यप्रकाश मार्को ने लाश मिलने की सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। 24 घंटे के अंदर पुलिस ने नाबालिग समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एएसपी अर्चना झा ने बताया कि कोरबा जिले के पाली थाने से उनके पास सूचना आई थी कि मध्यप्रदेश के कुछ संदिग्ध लोग वहां पकड़े गए हैं। इसके बाद गौरेला पुलिस ने चारों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने ड्राइवर की हत्या करना कबूल कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में पिंकू सिंह चौहान (24 वर्ष, निवासी जनकपुर वार्ड नं- 1 सीधी), प्रांशु सिंह चौहान (24 वर्ष, जनकपुर वार्ड-8 सीधी), जय सिंह उर्फ सर्वेश सिंह राजपूत (24 वर्ष, प्रयागराज, यूपी निवासी) और एक नाबालिग शामिल है।

बड़ी कार्रवाईः पुलिस की पकड़ में आए 24 ऑनलाइन सट्टेबाज, 8 थानों की पुलिस ने कसा सिकंजा

भिलाई। ऑनलाइन सट्टेबाजों पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के 8 थानों की पुलिस व एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 24 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 20 हजार से ज्यादा का कैश और सट्टे से जुडा सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट व थाना छावनी, जामुल, मोहन नगर, दुर्ग, नेवई, भिलाई नगर, पुरानी भिलाई व खुर्सीपार की पुलिस ने की।

बता दें दुर्ग भिलाई में बड़ पैमाने पर महादेव आईडी और ऑनलाइन सट्टा का कारोबार हो रहा है। दुर्ग पुलिस लगातार ऐसे सटोरियों पर कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एसपी अभिषेक पल्लव के निर्देश पर

25 व 26 सितंबर को एण्टी क्राईम व सायबर युनिट एवं थानों की संयुक्त टीम को सट्टा-पट्टी एवं ऑन-लाईन सट्टा से जुड़े लोगों धरपकड़ की। बताया जा रहा है कि कुछ लोग चेन्नई भागने की फिराक में भी थे। जिन्हें पुलिस ने पकड़ा।

पुलिस ने वाहीद खान बांसपारा दुर्ग, संदीप यादव शिवपारा दुर्ग, रिंकू सेन हटरी बाजार दुर्ग, रोहित कुमार तितुरडीह दुर्ग, विवेक मदामें ओम नगर उरला, संजय चैधरी जोन 01 खुर्सीपार, मुकेश शर्मा शंकर नगर छावनी, राजकुमार निषाद छावनी बस्ती, ललित महिलांग शंकर नगर छावनी, संजय पटवा केम्प 02 छावनी, सुनील प्रसाद राजीव नगर छावनी, गोविंद विश्वकर्मा गौतम नगर खुर्सीपार, रिंकू गुप्ता राजीव नगर जामुल, अभिलाष चैधरी केम्प 02 भिलाई, विजय देशलहरे बजरंगपारा जामुल, केवल जोशी लेबर केम्प जामुल, अभिषेक कुमार प्रसाद जोन-02 खुर्सीपार, राहुल चैहान पावर हाऊस भिलाई, भिलाई नगर क्षेत्रातर्गत संजय गिरी माया नगर रूआबांधा भिलाई, दीपक कुमार आदर्श पारा टंकी मरोदा भिलाई, गौतम पाल स्टेशन मरोदा नेवई, शिमास सिद्धीकी बजरंग चैक टंकी मरोदा, सौरभ कोटारे आजाद चौक रूआबांधा बस्ती व राज बांधे प्रगति नगर रिसाली को गिरफ्तार किया है।

सरपंच पर कुल्हाड़ी से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

धमतरी (ए)। सोनेवारा के सरपंच विद्याचरण नेताम (36) पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी पंच पति ओमप्रकाश उर्फ मजनू निषाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सरपंच के सिर पर कुल्हाड़ी मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मगरलोड टीआई राजेश जगत ने बताया कि विद्याचरण नेताम का 2 वर्ष पूर्व गांव के ही एक पंच के साथ अवैध प्रेम संबंध था। जिसकी जानकारी परिजनों व ग्रामीणों को होने पर गांव में बैठक हुई।

सरकंडा पुलिस ने एसीसीयू के साथ मिलकर की कार्रवाई

इको कार से साइलेंसर चुराने वाले 4 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। सरकंडा पुलिस ने इको गाड़ी से साइलेंसर चोरी वाले करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को पकड़ा है। इनमें दो शहर के व दो उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में साइलेंसर व उनसे निकाले गए कीमती धातु बरामद किए गए। इको के साइलेंसर में एक खास किस्म की धातु होती है और इनकी कीमत बाजार में सोने से भी अधिक है। आरोपी इसी के लिए चोरी करते थे। आरोपियों के खिलाफ जिले के अलावा अन्य जिलों में 60 से अधिक केस दर्ज है। सरकंडा पुलिस इको कार से साइलेंसर चोरी करने वालों को पकड़ने विशेष अभियान चला रही है।

इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि दो लोग लगातार बिलासपुर, बलौदा बाजार, भाठापारा, जांजगीर-चांपा, मुंगेली व दुर्ग से ईको कार से साइलेंसर चोरी कर इनमें लगे कीमती धातु को निकालकर उसे तालाब व सुनसान स्थानों पर फेंक रहे है। मोपका के विवेकानंद नगर में तालाब के पास कुछ लोग साइलेंसर से धातु निकालते देखे गए थे। जानकारी मिलते ही

कांस्टेबल ने टीआई को इसकी सूचना दी। टीआई ने एसएसपी पारूल माथुर को बताया फिर धरपकड़ की योजना बनी।

घेराबंदी करने पहुंची सरकंडा पुलिस को देखकर साइलेंसर व उसमें से निकाले गए कीमती धातु को फेंक कर भागने लगे लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ में एक ने अपना नाम शेख राहेल (23) व दूसरे ने शेख रूस्तम (20) बताया। दोनों सगे भाई हैं और मोपका विवेकानंद नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि साइलेंसर से कीमती धातु निकालकर उत्तरप्रदेश,जिला हाथरस के असाई निवासी राशिद (30) व जुबेर खान (25) चहला, थाना, अहमदगढ़, जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश के पास बेचते थे। दोनों वर्तमान में तैयबा चौक में आरिफ खान के मकान में किराए से रहते थे। पुलिस ने उनके घर में घेराबंदी की और दोनों को भी पकड़ लिया। उनके कब्जे से साइलेंसर से निकाले गए कीमती धातु बरामद किए गए। दो आरोपी भाई है। मूल रूप से पथरिया के रहने वाले हैं। दोनों के पास खुद का ट्रक था। कोरोना कॉल में किश्त जमा नहीं हुआ तो उनकी गाड़ी खिंच गई। इनमें से एक भिलाई में पढ़ाई करता था तथा गैरेज में काम करता था। गैरेज में ही उसे दिल्ली के कुछ लोग मिले। उन्होंने कहा कि इको गाड़ी से वे ऐसा मसाला निकालकर देंगे तो बहुत पैसा मिलेगा।

कीमती धातु पैलेडियम के लिए चुराते हैं साइलेंसर

इको कार से साइलेंसर चोरी होने की शिकायत पर पुलिस ने जांच की तो पता चला कि इसके साइलेंसर में पैलेडियम धातु लगी होती है। दुनिया की सबसे कीमती धातु में पैलेडियम शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि हमेशा इसकी शॉर्टेज बनी रहती है। यह धातु उतनी मात्रा में मौजूद नहीं है, जितनी इसकी मांग है। इसका इस्तेमाल गाड़ियों और ट्रकों जैसे वाहनों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरण बनाने के लिए किया जा रहा है। एक ही साल में इसकी कीमत दोगुने से भी अधिक हो गई है। इसकी कीमत सोने से भी ज्यादा है।

एक साइलेंसर से आठ हजार रुपए मिलता था

एक साइलेंसर के पीछे एक बार में उन्हें आठ हजार मिलता था। दोनों भाई ने लालच में आकर यह काम शुरू कर दिया। उन्होंने भिलाई के अलावा मुंगली, बिलासपुर, सीपत जांजगीर सहित अन्य जिलों में भी किए।

पांच हजार के लिए पुलिस कांस्टेबल की हत्या कार में बैठकर मोबाइल चार्जर से घोंट दिया गला

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। महज पांच हजार रुपए के लिए पुलिस आरक्षक की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने हत्यारे को हवालात पहुंचा दिया। रविवार को आरक्षक के हत्यारे आरोपी दानिश पिता अनवर खान निवासी बख्तावर चाल तुलसीपुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उधारी के पांच हजार रुपए मांगने पर आरक्षक बहस करने लगा इसलिए उसने कार में मोबाइल चार्जर के केबल से उसका गला घोंट दिया।

संदेहास्पद स्थिति में मिली थी लाश

शनिवार को सोमनी थाना क्षेत्र के ठेकवा रेड में पुलिस लाइन में पदस्थ एक आरक्षक की संदेहास्पद स्थिति में लाश मिली थी। सोमनी पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना में जुटी

शराब पीकर रची साजिश

पुलिस ने टीम गठित करके शहर एवं टोलप्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाला। इस दौरान रात्रि में मृतक को उसके कार में बैठाते हुए संदेही का फुटेज सामने आया। पुलिस द्वारा आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश किया गया। घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी से पूछताछ पर उसने पुलिस को बताया कि वह रेवाडीह चौक में मृतक से मिला। फिर उसके साथ शराब का सेवन करने के दौरान मृतक संतोष यादव द्वारा 5000 उधारी दिया था। जिसकी मांग की गई। इसके बाद दोनों मृतक के कार से शीला थीजन स्कूल ममतानगर के पास पहुंचे और फिर से शराब सेवन किए।

उधारी के पैसे पर हुई बहस

उधारी का रकम लौटाने के लिए दोनों में बहस हुई। उसके बाद मृतक कार में बैठा और आरोपी दानिश खान कार के पीछे सीट पर बैठा। वहां रखे मोबाईल चार्जर के केबल से गला घोंट दिया और उसकी मृत्यु हो गई। आरोपी दानिश पिता अनवर खान निवासी बख्तावर चाल तुलसीपुर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थी। पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। आरोपी द्वारा उधार की रकम 5000 को वापस मंगने पर मोबाइल के चार्जर वायर से गला घोंट कर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रक्षित केंद्र के एमटी शाखा में पदस्थ था जवान

शनिवार को ठेकवा के पास अज्ञात युवक की लाश मिलने की जानकारी सोमनी पुलिस को हुई। सूचना पर सोमनी थाना प्रभारी विनय सिंह बघेल द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने तत्काल टीम गठित कर मामले की जांच के निर्देश दिए। शव की पहचान रक्षित केन्द्र राजनांदगांव के एमटी शाखा में कार्यरत आरक्षक संतोष यादव पिता देवनारायण यादव उम्र 40 साल, निवासी पुलिस लाईन के रूप में हुआ।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

महाराजा अग्रसेन का 5176वां जन्मोत्सव...

मदद के लिए हमेशा 'अग्र' है समाज

60

साल पहले एकजुट हुए और शुरू किया महाराजा अग्रसेन का जन्म महोत्सव

भिलाई स्टील प्लांट बनने के साथ बनने लगा एक नया शहर भिलाई हमारा भिलाई और इस नए शहर के साथ बसने लगा मिनी इंडिया और इसके साथ बसने लगी पूरे हिन्दुस्तान की संस्कृति.. टाउनशिप बनने से पहले खुर्सीपार में लोग आकर रहने लगे और वहां बसने लगा एक ऐसा समाज जिन पर महालक्ष्मी जी का आशीर्वाद हमेशा बना हुआ है। महाराजा अग्रसेन के वंशज यानी अग्र बंधु खुर्सीपार में 60 साल पहले एकजुट हुए और शुरू हुआ अग्रसेन महाराजा के जन्म जयंती महोत्सव का आगाज.. भिलाई शहर में पहली बार अग्रसेन जयंती समारोह खुर्सीपार के श्रीराधाकृष्ण मंदिर में मनाया गया।

समाज के बुजुर्गों ने इसकी शुरुआत की और धीरे-धीरे समाज के संगठित होने के साथ शुरू हुई समाज की एक ऐसी यात्रा जो अवनरत चल रही है। खुर्सीपार में रहने वाले अग्र बंधु भले ही आज राजधानी से लेकर राज्य के बड़े-बड़े शहरों में बस गए हों,लेकिन उनकी जड़ें आज भी यही से जुड़ी हुई है। अग्रवाल सेवा समिति को बने 49 वर्ष हो चुके हैं और इस लंबे सफर में समाज ने कई मील के पत्थर स्थापित किए।

अग्र बंधुओं ने राज्यभर में बनाई अलग पहचान

अग्रसेन द्वार से लेकर अग्रसेन भवन का निर्माण कर अग्रवाल सेवा समिति ने राज्यभर के अग्र बंधुओं ने अलग पहचान बनाई है। समाज के बुजुर्ग बताते हैं कि 60 साल पहले खुर्सीपार व्यापार का प्रमुख केन्द्र हुआ करता था और यहां से अग्र बंधुओं ने अपनी नई शुरुआत भी की और सफल होकर दूसरी कॉलोनियों और शहर में जाकर बसे और अपना व्यापार वहां स्थापित किया, लेकिन आज भी वे खुर्सीपार से जुड़े हुए हैं।

बुजुर्गों का सपना हुआ साकार

1962 में पहली बार खुर्सीपार के श्री राधाकृष्ण मंदिर में समाज के बुजुर्गों ने मिलकर अग्रसेन जयंती मनाने की शुरुआत की। अग्रवाल सेवा समिति के सचिव शिरीष अग्रवाल ने बताया तीन परिवार के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना के लिए सभी लोग परिवार के साथ एक साथ इक्ट्ठा होने लगे। यह सिलसिला काफी वर्षों तक चला। इसी बीच बुजुर्गों और युवाओं ने मिलकर 80 के दशक में अग्रेसन सेवा समिति का गठन किया और फिर सभी ने मिलकर समाज को एक भव्य मंच पर जोड़ने का प्रयास किया। 1983 में साडा के कार्यकाल में समिति ने न्यू खुर्सीपार में जीई रोड़ के किनारे जमीन भी खरीद ली, ताकि यहां सामाजिक भवन बन सकें।

नारी शक्ति हमेशा साथ

अग्रवाल समाज ने महिलाओं को भी बराबरी का दर्जा दिया। यही वजह है कि आज समाज के हर कार्यक्र म में महिलाओं की सहभागिता सबसे ज्यादा होती है। फिर चाहे धार्मिक आयोजन हो या सामाजिक कार्य। समिति ने नारी शक्ति को सम्मान देने अग्रवाल महिला समिति का गठन किया। महिला समिति ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। सावन तीज, राणी सती दादी का मंगल पाठ, शिव महापुराण, जन्माष्टमी, नवरात्रि सेलिब्रेशन , दीपावली मिलन सहित कई ऐसे आयोजन की शुरुआत की जिससे घर की बेटियां अपनी परंपरा और संस्कृति को समझ सकें।

समरसता की मिसाल

न्यू खुर्सीपार में बना अग्रसेन भवन सामाजिक समरसता की मिसाल है। तीन बड़े हॉल, 33 एसी कमरे, पार्टी लॉन के साथ सर्वसुविधा युक्त इस भव्य भवन का लोकार्पण 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के दिन हुआ। डॉ अंबेडकर ने जिस तरह संविधान निर्माण कर भारत के हर समाज के एक माला में पिरोने का काम किया उसी तरह यह समाज भी उसी सामाजिक समरता के ध्यैय के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। भवन में होम्योपैथी कैंप से लेकर फ्री योग प्रशिक्षण, कई धार्मिक आयोजन सभी जाति-धर्म के लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं।

सबसे पहले आए आगे

कोरोना काल में जब लोग घरों में सुरिक्षत बैठे थे तब शहर में सबसे पहले अगर कोई समिति आगे आई थी तो वह थी अग्रवाल सेवा समिति। समिति के युवा सदस्य जहां कोविड संक्र मित परिवारों तक भोजन पहुंचाने में लगे रहे वही भवन को भी कोविड सेंटर बना दिया गया। आइसुलेशन वार्ड के साथ-साथ हजारों मास्क का वितरण, मेडिकल कॉलेज में भोजन की व्यवस्था, नाश्ते का प्रबंध सबकुछ अग्रसेन भवन खुर्सीपार से ही संचालित होता रहा। इतना ही नहीं वैक्सीन का पहले डोज का सेंटर भी इसी भवन में लगाया गया। अपनी चिंता छोड़ समिति के लोग दिनरात सेवा में जुटे रहे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक

भारत की जनगणना 1911 के अनुसार अग्रवाल समाज की जनसंख्या 2,718,390 थी. लगभग 100 वर्षों (यानी, चार पीढ़ियों) के बाद भारत में इस समुदाय की जनसंख्या 10-15 मिलियन (एक से डेढ़ करोड़) या उससे भी अधिक हो सकती है। अग्रवाल समाज के कुछ लोग इस बात का दावा करते हैं कि भारत की जनसंख्या में इस समाज की जनसंख्या का हिस्सा 1% से भी कम है। यहां पर यह बता देना जरूरी है कि प्रत्येक 10 वर्षों में एक बार की जाने वाली जनगणना में अग्रवाल समाज की संख्या के बारे में अलग से आंकड़े इकट्ठे नहीं किए जाते हैं। भारत में 1931 में आखिरी बार जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। यही कारण है कि अग्रवाल समाज की वास्तविक जनसंख्या की सही तस्वीर हमारे सामने नहीं आ पाती।

30 करोड़ व्यापारी वर्ग है, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के दावे अनुसार। भारत की सवा सौ करोड़ जनसंख्या में। इस दावे के अनुसार भारत में अग्रवाल वैश्य समाज की जनसंख्या देश के कुल आबादी की 21-22 प्रतिशत है।

10 करोड़ से अधिक है अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के दावे के अनुसार देशभर में अग्रवाल समाज की जनसंख्या

खुर्सीपार के अग्रवाल समाज में सालभर होते हैं कार्यक्रम

127 करोड़ की भारत की जनसंख्या में समाज का हिस्सा 1%

5185 वर्ष पहले हुआ महाराजा अग्रसेन जी का जन्म

समाज को अग्रणी रखने इनके कंधे पर है महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अग्रवाल सेवा समिति के जरिए खुर्सीपार में बसे अग्रवाल परिवारों को एकजुट करने के साथ ही उन्हें समाज से जोड़े रखने समिति ने तीन अलग-अलग विंग बनाकर जिम्मेदारी सौंपी है,ताकि समिति का काम बेहतर ढंग से हो सकें।

अग्रवाल सेवा समिति

- संतोष कुमार अग्रवाल- अध्यक्ष
- रतनलाल अग्रवाल- महासचिव
- अशोक बंसल- उपाध्यक्ष
- घनश्याम अग्रवाल- उपाध्यक्ष
- महेश अग्रवाल- उपाध्यक्ष
- शिरीष अग्रवाल- सचिव
- संतोष अग्रवाल(भिलाई-3)- सचिव
- महादेव बंसल- कोषाध्यक्ष
- सुनील कुमार गोयल- सहकोषाध्यक्ष

भवन प्रबंधन समिति

- सुरेन्द्र अग्रवाल (ताऊ)- चेयरमेन
- भगवान अग्रवाल- सचिव
- भवन निर्माण समिति
- उमाशंकर अग्रवाल- चेयरमेन
- मालीराम गोयल- सचिव

जनसंपर्क समिति

- संतोष कुमार अग्रवाल (संतु)- चेयरमेन
- रामप्रपात बंसल- सचिव

चैरेटी समिति

- तोताराम अग्रवाल- चेयरमेन
- अरविंद गोयल- सचिव

सांस्कृतिक समिति

- पवन कुमार अग्रवाल-चेयरमेन
- अनूप अग्रवाल-सचिव

महिला समिति

- अग्रवाल महिला समिति

संरक्षक
- प्रेमलता रामनाथ अग्रवाल
- वीना संतोष अग्रवाल
- माया राम भगत अग्रवाल
- आशा कैलाश अग्रवाल

अध्यक्ष
- सरला विनोद अग्रवाल

उपाध्यक्ष
- संगीत नेमीचंद अग्रवाल

सचिव
- प्रेमा राजेन्द्र गर्ग

सहसचिव
- उषा संतोष अग्रवाल

कोषाध्यक्ष
- शारदा प्रदीप सिंघानिया

सहकोषाध्यक्ष
- शारदा तोताराम अग्रवाल

कार्यकारिणी
- प्रेमलता घनश्याम अग्रवाल
- संगीता शशिकांत अग्रवाल
- अनिता अशोक अग्रवाल
- कविता श्रीभगवान अग्रवाल
- हंसा रुपेश अग्रवाल
- लक्ष्मी ओमप्रकाश अग्रवाल
- कुसुम अनिल अग्रवाल
- दीप्ति नवीन अग्रवाल
- प्रतिमा मनीष अग्रवाल
- अंजु रवि अग्रवाल

श्री अग्रसेन युवा मंच

- योगेश अग्रवाल- अध्यक्ष
- हिमांशु अग्रवाल- कार्यकारी अध्यक्ष
- विनायक गर्ग- उपाध्यक्ष
- तुषार अग्रवाल- महासचिव
- आयुष अग्रवाल- सचिव
- सौरभ अग्रवाल- सहसचिव
- नीरज अग्रवाल- कोषाध्यक्ष
- अंकित अग्रवाल- सहकोषाध्यक्ष

खेलकूद प्रभारी
- निखिल अग्रवाल, अमित गर्ग , भावेश अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल

सांस्कृतिक प्रभारी
- निमित अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, यश गोयल, अंकुश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल

खेलकूद प्रभारी
- समीर सिंघल, आयुष बंसल, पंकज अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, भावेश अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, जितेन्द्र, अग्रवाल, संकेत अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, रिषभ मित्तल, असमिति अग्रवाल, शुभम अग्रवाल

यह भी जाने

महाराजा अग्रसेन त्याग, अहिंसा, शांति व समृद्धि के लिए एक सच्चे समाजसेवी तथा अवतार थे। इनका जन्म प्रतापनगर के राजा वल्लभ के घर हुआ था। उस समय द्वापर युग का अंतिम चरण था। वर्तमान कैलेंडर अनुसार महाराजा अग्रसेन जी का जन्म 5185 वर्ष पहले हुआ। इन्होंने बचपन से ही वेदों, शास्त्रों, अस्त्र-शस्त्र, राजनीति व अर्थनीति आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। सभी क्षेत्रों में काबिल होने के बाद अग्रसेन जी का विवाह नागों के राजा कुमुद की पुत्री माधवी से हुआ। राज वल्लभ ने संन्यास लेकर अग्रसेन जी को राज्य का काम सौंप दिया। अग्रसेन जी ने निपुणता से राज्य का संचालन किया तथा राज्य का विस्तार करते हुए प्रजा के हितों के लिए काम किया। ये धार्मिक प्रवृत्ति के मालिक थे। धर्म में उनकी गहरी रूचि थी। वह परमात्मा में विश्वास रखते थे। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में कई बार देवी लक्ष्मी जी से यह वरदान हासिल किया कि जब तक उनके कुल में लक्ष्मी देवी की आराधना होती रहेगी तब तक अग्रकुल धन-सम्पदा से खुशहाल रहेगा।देवी महालक्ष्मी जी के आशीर्वाद से राजा अग्रसेन ने नए राज्य के लिए रानी माधवी के साथ भारत यात्रा की तथा अग्रोहा नगर बसाया। आगे चलकर अग्रोहा कृषि व व्यापार के पक्ष से एक प्रसिद्ध स्थान बन गया। महाराजा अग्रसेन जी ने राज्य व प्रजा की भलाई के लिए 18 हवन किए। उनके 18 पुत्र पैदा हुए। उनके नाम से ही अग्रवाल समाज के 18 गौत्र बने। आज अग्रवाल समाज ने ही हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरीश चंद्र, पंजाब केसरी लाला लाजपत राय, सर गंगा राम, डा. भगवान दास, सर शादी लाल, हनुमान प्रसाद पोद्दार, डा. राम मनोहर लोहिया जैसे प्रसिद्ध क्रांतिकारी व कमलापति सिंघानिया जैसे प्रसिद्ध उद्योगपति भारतीय समाज को प्रदान किए हैं। आज भी 18 गौत्र के अग्रवंशी भारत में ही नहीं, सारे विश्व में जाने जाते हैं। सारे ही महाराजा अग्रसेन जी की नीतियों पर चलते हैं तथा समाज सेवा के क्षेत्र में सबसे आगे हैं।

ध्वज का विवरण

सूर्य की 18 किरणों 18 गोत्रों की सूचक है। एक रुपया ओर एक ईंट महाराजा अग्रसेन के सामजवाद का प्रतीक है। ध्वज का रंग केसरिया है। सूर्य, रुपया तथा ईंट का रंग सिलवर है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950